CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-77
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 22 जून 2024

आज का विचार

* हमारी समस्या का समाधान केवल हमारे पास है..
दूसरों के पास सिर्फ सुझाव है।

पांच दिन की देरी से मध्यप्रदेश पहुंचा मानसून

भोपाल। आखिरकार इंतजार की घड़ियां खत्म हो गई है और मध्यप्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। संभावित तय तारीख 16 जून से 5 दिन की देरी से मध्यप्रदेश के आधा दर्जन जिलों में मानसून ने 21 जून को प्रवेश कर लिया है। अब आने वाले दिनों में एमपी में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो जाएगा।

मध्यप्रदेश के मौसम विशेषज्ञ डॉ वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून ने मध्यप्रदेश में प्रवेश कर लिया है। मानसून सिवनी, बालाघाट, मंडला, पाण्ढुर्णा, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में मानसून प्रवेश कर चुका है। अब मध्य प्रदेश में बारिश का सिलसिला और आगे बढ़ेगा। मौसम विभाग के अधिकारी इस साल सामान्य बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। उनका मानना है कि मध्यप्रदेश में सामान्य बारिश होगी और यह सिलसिला जुलाई और अगस्त में भी जारी रहेगा।

मौसम विशेषज्ञ डॉ राजेंद्र गुप्त के मुताबिक ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि 21-22 जून को मध्यप्रदेश में मानसून प्रवेश करेगा और 25-26 तारीख तक मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसी संभावना को सही साबित करते हुए 21 जून को मानसून ने मध्यप्रदेश में प्रवेश कर लिया है।

डिंडौरी के रास्ते आया मानसून मध्यप्रदेश में मानसून डिंडौरी के रास्ते आया। भारतीय मौसम विभाग (कटऊ) के मुताबिक, मानसून महाराष्ट्र-विदर्भ के हिस्सों, छत्तीसगढ़, ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 14 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दो दिन पूरे प्रदेश को कवर करेगा मानसून मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, मानसून के आगे बढ़ने की परिस्थितियां काफी अनुकूल बनी हुई है। दो दिन में यह मध्यप्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में छा सकता है।

बीते 24 घंटों के दौरान शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भोपाल में 123.4, सीहोर में 107, रतलाम में 90, रायसेन में 79, शहडोल में 71, सागर में 69, विदिशा में 62.2, दमोह में 62, जबलपुर में 57, मंडला में 55, शिवपुरी में 50.2, पन्ना में 48.2, सिवनी में 46.2, छिंदवाड़ा में 37.2, डिंडौरी में 37.2, दतिया में 37, नर्मदापुरम में 36.4, राजगढ़ एवं गुना में 35, नरसिंहपुर एवं धार में 33, सतना में 32.2, बालाघाट एवं रीवा में 28.2, उज्जैन में 28, भिंड में 25.2, कटनी में 24.2, अनूपपुर एवं छतरपुर में 24, ग्वालियर में 21.6, टीकमगढ़ में 20, उमरिया में 19.2 एवं सीधी जिले में 16 मिलीमीटर वर्षा हुई।

4 इंच वर्षा के पहले बोवनी नहीं करे किसान मध्यप्रदेश में बारिश का दौर शुरू होते ही कृषि विभाग की ओर से भी चेतावनी जारी कर दी गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि जब तक 4 इंच वर्षा न हो, तब तक वे बोवनी नहीं करें। हर साल जल्दबाजी के चक्कर में कई लाखों के किसानों को दोबारा बोवनी करना पड़ती है।

ये मौसम प्रणालियां कर रही काम हिमाचल पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात मौजूद है। दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान पर भी एक चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी राजस्थान से लेकर मणिपुर तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

शिवराज के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने क्यों कहा ऐसा?

हमारे नेता के आगे दिल्ली भी नतमस्तक

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने बड़ा बयान दिया है। सीहोर के भेरूंदा में कार्यकर्ता आभार सम्मेलन के मंच पर कार्तिकेय ने कहा कि इस दुनिया ने हमारी बहुत परीक्षा ली है। 2023 के चुनाव में कई उंगलियां उठीं, लेकिन आपने बुद्धिजीवियों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया है। कर्तिकेय ने कहा कि मैं आपमें, मुझमें और शिवराज जी में कोई फर्क नहीं देखता हूं। हम सब अनेकों जिस्म और एक जान हैं। हर सफल व्यक्ति के पीछे एक औरत का हाथ होता है, लेकिन मैं कहता हूं कि हर सफल व्यक्ति के पीछे औरत के साथ उसकी क्षेत्र की जनता का भी हाथ होता है।

कार्तिकेय सिंह ने अपने पिता शिवराज सिंह चौहान की तारीफ करते हुए कहा की जब शिवराज जी मुख्यमंत्री थे तो सीएम के तौर पर दिल्ली जाते थे, लेकिन अब वे मुख्यमंत्री नहीं हैं तो और लोकप्रिय हो गए। वे बड़ी जीत के साथ दिल्ली गए है। आज हमारे नेता के आगे दिल्ली भी नतमस्तक है। पूरा दिल्ली उन्हें पहचानता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के बड़े नेताओं में उनकी गिनती होती हैं। ये सब आपके द्वारा ही संभव हुआ है। कार्तिकेय के साथ उनकी मां साधना सिंह भी मौजूद थीं। कार्यक्रम के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने मोबाइल के माध्यम से लोगों को भी संबोधित किया। कार्तिकेय ने आगे कहा की विधानसभा चुनाव के दौरान मुझसे जिला अध्यक्ष ने कहा की हम 1 लाख 50 हजार वोटों से जिताएंगे, तो मेरी चिंता बढ़ गई थी। मुझे पसीना आ गया था, क्योंकि विधानसभा में 2 लाख 70 हजार वोट हैं और 1 लाख 50 हजार वोट से कैसे होगा, लेकिन जब मतगणना के दौरान पेटिंया खुली तो डेढ़ लाख वोटों से जीत मिली।

मप्र के सभी जिलों में शुरू होंगे पीएम एक्सीलेंस कॉलेज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शुक्रवार को मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सभी 55 जिलों में एक साथ 1 जुलाई से प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शुरू करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि एक्सीलेंस कॉलेज से नागरिकों को जोड़े। कॉलेज के शुभारंभ कार्यक्रम में उनको बुलाएं। एक्सीलेंस कॉलेज जिले का गौरव होगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि रोजगार परख पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग एक्सीलेंस कालेजों में कृषि पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। विद्यार्थियों को इसकी व्यवस्थित रूप से जानकारी प्रदान की जाए। प्रदेश के महाविद्यालय और विश्वविद्यालय ऐसी छवि निर्मित करें कि अन्य राज्यों के बच्चे यहां पढ़ने आएं। महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ शैक्षणिक कार्यों को प्रोत्साहन दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्य संपन्न और नए पाठ्यक्रम प्रारंभ कराएं। पर्यटन से सम्बंधित पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किए जाए। विश्वविद्यालय भी बहुसंकाय सुविधा से युक्त होना चाहिए।

प्रदेश में ड्रोन नीति का निर्माण किया जाए प्रदेश में अकादमिक सत्र 2024 - 25 से शुरू हो रहे नवीन पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (एग्रीकल्चर) कोर्स,अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम और अन्य कोर्सेज की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की जाए।विमानन पाठ्यक्रमों के लिए की गई व्यवस्थाओं से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाए।प्रदेश में ड्रोन नीति का निर्माण किया जाए। उच्च शिक्षा, उद्योग ,कृषि और अन्य संबंधित विभागों में ड्रोन के उपयोग और प्रशिक्षण के संबंध में रणनीति बनाकर कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में भारतीय ज्ञान परंपरा का केंद्र खुलेगा। इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को महाविद्यालय आने-जाने के लिए बस सुविधा भी दिलवाएं।

कोरोना की तरह लू का कहर...
41,789 लोग हीटस्ट्रोक से पीड़ित

नई दिल्ली। देश के अधिकाशं हिस्से इन दिनों भयंकर गर्मी और हीटवेव से जूझ रहे हैं। इस साल गर्मी का प्रकोप इतना खतरनाक रहा कि अब तक देश में गर्मी से रिकॉर्ड 143 लोगों की जान चली गई है। साथ ही 41,789 लोग हीटस्ट्रोक से पीड़ित हुए। गौरतलब है कि यह आंकड़े 1 मार्च से लेकर 20 जून तक के हैं। हीटवेव से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अभी और बढ़ सकती है क्योंकि गर्मी संबंधी बीमारी और मौतों की सर्विलांस करने वाले नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने कई राज्यों के आंकड़ों को अभी तक अपडेट नहीं किया है। साथ ही कई स्वास्थ्य केंद्रों को भी हीटवेव से होने वाली मौतों का आंकड़ा अभी अपडेट करना है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार लू के कारण एक मार्च से 20 जून के बीच 143 लोगों की मौत हुई और करीब 41789 लोग संदिग्ध हीट स्ट्रोक से पीड़ित हुए हैं।

अभी पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं आंकड़े कई मेडिकल सेंटरों ने अब तक लू से जान गंवाने लोगों की संख्या को अपलोड नहीं किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 जून को ही हीट स्ट्रोक के कारण 14 लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। वहीं संदिग्ध हीट स्ट्रोक के कारण नौ लोगों की जानें गई, जिससे मार्च से जून की अवधि में लू से मरने वालों की संख्या 114 से बढ़कर 143 हो गई है।

किस राज्य में कितनी मौतें हुई आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 35 मौतें हुई हैं, इसके बाद दिल्ली (21) और बिहार-राजस्थान (17-17) का स्थान है।

लोकपाल की नियुक्ति नहीं होने पर यूजीसी का एक्शन

मप्र के 16 विश्वविद्यालय डिफाल्टर घोषित

भोपाल। यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मप्रप्रदेश के 16 विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर घोषित कर दिया है। यूजीसी ने यह कार्रवाई प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लोकपाल की नियुक्ति नहीं होने के कारण की है। इसमें राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) और राजा मानसिंह विश्वविद्यालय सहित सात सरकारी विश्वविद्यालय और नौ निजी विवि के नाम शामिल हैं। यूजीसी ने यह पत्र 19 जून को जारी किया है। हालांकि एमसीयू में लोकपाल की नियुक्त कर दी गई है। एमसीयू के कुलपति प्रो. केजी सुरेश हैरान हैं कि उन्होंने सात जून को यूजीसी को लोकपाल के नाम का चयन कर पत्र भेज दिया था। फिर भी डिफाल्टर की श्रेणी में विवि का नाम शामिल है। एमसीयू में सेवानिवृत प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश सुनरया को लोकपाल नियुक्त किया गया है।उन्होंने कहा कि फिर से यूजीसी को पत्र लिखेंगे। **इन सरकारी विश्वविद्यालयों को किया डिफाल्टर घोषित** यूजीसी ने प्रदेश के जिन सरकारी विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर घोषित किया है, उनमें आरजीपीवी, एमसीयू, मध्यप्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, राजा मान सिंह म्यूजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी ग्वालियर और राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर शामिल हैं।

ये हैं डिफाल्टर की श्रेणी में शामिल निजी विवि यूजीसी ने प्रदेश के नौ निजी विश्वविद्यालयों को भी डिफाल्टर घोषित किया है। इस सूची में आर्यावर्त यूनिवर्सिटी सीहोर, एलएनसीटी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी इंदौर, मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी इंदौर, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर, स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी सागर, ज्ञानोदय यूनिवर्सिटी नीमच, जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल और अमलतास यूनिवर्सिटी देवास शामिल हैं। **लोकपाल करते हैं विद्यार्थियों की समस्याओं का निवारण** देश के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की शिकायतों का निराकरण करने के लिए लोकपाल की नियुक्ति करना थी।

नीट पेपर लीक में आया रवि अत्री गैंग का नाम

मेरठ जेल में बंद है यूपी पुलिस भर्ती लीक का मास्टरमाइंड

पटना। नीट पेपर लीक मामले में रोजाना नए खुलासे होते जा रहे हैं। अब इस केस में रवि अत्री गैंग का नाम सामने आया है। रवि अत्री फिलहाल उत्तर प्रदेश की मेरठ जेल में बंद है। बताया जा रहा है कि उसके गैंग ने पटना और नालंदा के बॉर्डर से नीट परीक्षा का पेपर लीक करवाया था। उसका नाम यूपी में कई परीक्षाओं के पेपर लीक में पहले आ चुका है। यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक का वह मास्टरमाइंड है। सूत्रों के हवाला से दावा किया है कि रवि अत्री का नीट पेपर लीक में सामने आया है। बिहार ईओयू के इस बारे में सबूत मिले हैं। पटना और नालंदा बॉर्डर से पेपर लीक कराया गया था। उसके बिहार में दो गुर्गे हैं, इनका नाम अतुल वत्स और संजीव मुखिया है। अतुल मूलरूप से जहानाबाद जिले का रहने

वाला है, वो फरार है। संजीव मुखिया को ईओयू गिरफ्तार कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक पटना और नालंदा की सीमा से नीट का पेपर लीक होने के सबूत ईओयू को मिले हैं। बताया जा रहा है कि परीक्षा से एक दिन पहले ही सॉल्वर गैंग को नीट का पेपर मिल गया था। पटना के एक स्कूल और हॉस्टल में नीट अभ्यर्थियों को जमा कर उनसे प्रश्न पत्र रटवाया गया। रांची के भी एक कॉलेज में छात्रों से पेपर हल करवाने की जानकारी सामने आई है।

दुनिया को लगा भारतीय शराब का चस्का, बाजार में पहुंचते ही मच रही लूट

नई दिल्ली। भारत की शराब का नशा दुनिया के सिर चढ़कर बोल रहा है। ड्रिंक्स इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहे 30 स्पिरिट ब्रांड्स में से एक तिहाई भारतीय हैं। इतना ही नहीं टॉप दस व्हिस्की ब्रांड्स में से छह भारत के हैं। भारत के कुल शराब मार्केट में दो-तिहाई के बराबर हिस्सेदारी व्हिस्की की है। व्हिस्की के साथ-साथ भारत के ब्रांडी, वोदका और रम ब्रांड्स को भी काफी पसंद किया जा रहा है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और अगले पांच साल में 10 करोड़ लोग शराब पीने की लीगल एज में पहुंच जाएंगे। यही वजह है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी शराब कंपनियां भारत पर फोकस कर रही हैं।

अग्रणी देश के रूप में स्थापित हुआ भारत मिलियनेयर्स क्लब की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ऐसे वर्ष में जब भारत आबादी के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा देश बन गया, इसने खुद को स्पिरिट्स की दुनिया में एक अग्रणी देश के रूप में भी स्थापित कर लिया। एक्साइज से जुड़े कुछ मुद्दे अब भी हैं जिनके कारण यहां बिजनस मुश्किल है। लेकिन यह बात साल-दर-साल सच होती जा रही है कि यदि आप भारतीय बाजार को समझ पाए, तो संभावनाएं लगभग असीमित हैं। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स की आइकोनिक व्हाइट व्हिस्की ने 2023 में 1.6 मिलियन केस बेचे और 1500% की बढ़ोतरी के साथ टॉप पर रही। लेकिन व्हिस्की ही नहीं है ब्रांडी, रम और वोदका ब्रांड भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। तिलकनगर इंडस्ट्रीज की कूरियर नेपोलियन और मैन्शन हाउस ब्रांडी, रेडिको खेतान की ब्रांडी मॉर्फियस, वोदका ब्रांड मैजिक मोमेंट्स और रम 1965 का प्रदर्शन शानदार रहा। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय ग्राहक डाइवर्सिफाई हो रहे हैं। भारतीय व्हिस्की का जलवा तेजी से उभर रहे 10 ब्रांड्स में से छह में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई। आइकोनिक बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 जून को खुल रहा है। तिलकनगर इंडस्ट्रीज के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अहमद रहीमतुला ने कहा कि खासकर ब्रांडी कैटगरी में इनोवेशन और प्रीमियमीकरण की दिशा में हमारे प्रयासों को सफलता मिली है। हमारे ब्रांड हर साल मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज कर रहे हैं और हमें इसमें और तेजी आने का भरोसा है। यूनाइटेड स्पिरिट्स के मैकडॉवेल ने 2023 में सिर्फ 1.9% ग्रोथ के बावजूद 31.4 मिलियन केस की बिक्री के साथ दुनिया के सबसे बड़े व्हिस्की ब्रांड का अपना टैग बरकरार रखा। वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया के शीर्ष 30 व्हिस्की ब्रांड्स में से तेरह भारतीय हैं। इनमें रॉयल स्टैग, इंपीरियल ब्लू और ब्लेंडर्स प्राइड शामिल हैं।

सिंगल कॉलम

इंदौर सहित चार शहरों में स्टेट जीएसटी के छापे, 5 करोड़ की टैक्स चोरी मिली

इंदौर। स्टेट जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के इनपुट मिलने के बाद इंदौर में आठ रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन कारोबारियों के यहां छापामार कार्रवाई की है। इसके साथ ही भोपाल, जबलपुर, सागर में कारोबारियों के यहां छानबीन चल रही है। प्रारंभिक तौर पर करीब 5 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की जानकारी मिली है। अपर कमिश्नर रजनी सिंह ने बताया कि आठ कारोबारियों के मामले में पता चला था कि बड़े पैमाने पर कर चोरी की जा रही है। इस पर विभाग की टीम अभी छानबीन कर रही है। जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उसकी जानकारी जल्द ही उपलब्ध होगी। उधर, सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई नरीमन पाइंट क्षेत्र स्थित ठिकानों, लाभम ग्रुप आदि स्थानों पर चल रही है। कारोबारियों के दस्तावेज और डेटा की छानबीन की जा रही है

4 सितंबर से इंदौर से दक्षिण भारत के लिए चलेगी भारत गौरव ट्रेन

इंदौर। इंदौर से 4 सितंबर को दक्षिण भारत के लिए भारत गौरव ट्रेन रवाना होगी। इंडियन रेलवे टूरिज्म एंड कैटरिंग कॉर्पोरेशन यह यात्रा आयोजित कर रहा है। यह ट्रेन पर्यटकों को तिरूपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्या कुमारी और त्रिवेंद्रम के दर्शन कराएगी। इस पर्यटक ट्रेन में यात्री इंदौर के अलावा देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, रानी कमलापति, इटारसी और नागपुर से सवार हो सकेंगे।
ट्रेन की स्लीपर श्रेणी का प्रति व्यक्ति किराया 18 हजार 200, थर्ड एसी श्रेणी का 30 हजार 250 और सेकेंड एसी श्रेणी का किराया 40 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। विशेष एलएचबी रैक वाली इस ट्रेन में लोगों को आरामदायक रेल यात्रा, ऑन बोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और अच्छी बसों से दर्शनीय स्थलों की यात्रा, रुकने की व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, सुरक्षा और हाउस कीपिंग जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इंदौर स्टेशन के प्लेटफॉर्म-एक स्थित केंद्र पर जाकर बुकिंग करवा सकते हैं।

एलएलएम की परीक्षा अब 1 जुलाई से होगी, नया टाईम टेबल जारी

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की एलएलएम फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा 1 जुलाई से होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नया टाईम टेबल जारी कर दिया है। परीक्षा 8 जुलाई तक चलेगी। समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। स्टूडेंट्स टाईम टेबल यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर देख सकते हैं। बता दें एलएलएम फर्स्ट सेमेस्टर की एक्जाम पांच महीने पिछड़ चुकी है। एक्जाम पहले जनवरी-फरवरी में होना थी, लेकिन मान्यता-संबद्धता से जुड़े दस्तावेज कॉलेजों ने नहीं दिए। जिसके कारण देरी हुई। कॉलेजों ने मई में यूनिवर्सिटी को जानकारी दी। इसके बाद जून में एक्जाम करवाने का फैसला लिया गया। टाईम टेबल पर जारी हुआ लेकिन अब 1 जुलाई से एक्जाम का नयाव टाईम टेबल यूनिवर्सिटी ने घोषित किया है। अन्य राज्यों में लॉ की प्रतियोगी परीक्षा और पुराने टाईम टेबल की तारीखें टकरा रही थी। स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से एक्जाम आगे बढ़ाने की गुहार लगाई थी जिसके बाद फैसला लिया गया।

आरआर कैट के रिसर्च स्कॉलर को डिजिटल अरेस्ट कर रुपए वसूले

इंदौर। राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र के रिसर्च स्कॉलर साइबर अपराधियों के चंगुल में फंस गए। शातिर अपराधियों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर 99 हजार रुपये वसूल कर लिए। शक होने पर स्कॉलर ने गूगल से जानकारी निकाली तो धोखाधड़ी का पता चला। साइबर एक्सपर्ट ने आरोपितों के मोबाइल की जानकारी निकाल ली है। उन खातों को फ्रीज कर दिया जिनमें रुपये ट्रांसफर हुए थे। एडिशनल डीसीपी जोन-1 आलोक शर्मा के मुताबिक धोखाधड़ी जयंत भट्टाचार्य के साथ हुई है। जयंत आरआर कैट में रिसर्च स्कॉलर हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 8 जून को अनजान नंबर से कॉल आया था। आरोपितों ने कहा कि वह मुंबई एयरपोर्ट से बात कर रहे हैं। उनके नाम का एक पार्सल मिला है जो सेडेक्स कोरियर से भेजा गया था। आरोपितों ने कहा कोरियर में फर्जी पासपोर्ट, ड्रग्स के पैकेट हैं। इस मामले में गिरफ्तारी और जेल भी हो सकती है। आरोपितों ने जयंत को भयभीत किया और कहा कि केस के सिलसिले में नारकोटिक्स विभाग से बात करनी होगी।
आरोपितों ने स्काइप कॉल से जोड़ा और कहा कि खातों में अवैध लेनदेन हुआ है। खातों का सत्यापन करने के लिए एक अन्य खाते में 99 हजार रुपये जमा करवा लिए। इस पर जयंत को शक हुआ तो उन्होंने गूगल सर्च इंजिन से जानकारी निकाली तो पता चला सेडेक्स कोरियर के नाम से ठगी होती है। उसने तुरंत फोन काटा और पुलिस को शिकायत की। एडीसीपी के मुताबिक जिस नंबर से कॉल आया वो वी पद्मावति के नाम से है। पुलिस ने खातों को भी फ्रीज करवा दिया है।

इंदौर में पहली तेज बारिश में ही आफत सड़कों पर भरा पानी, डूबी गाड़ियां

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में मानसून प्रवेश कर चुका है। इस बीच प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हो रही है। इंदौर में भी शुक्रवार सुबह से तेज बारिश शुरू हुई जो दोपहर तक चलती रही। लगभग 2 घंटे तक चली झमाझम बारिश के चलते लोगों ने राहत महसूस की है, वहीं शहर की सड़कें बदहाल दिखीं। शहर की पहली तेज बारिश में ही सड़कों पर लबालब पानी भर गया। इस बारिश ने नगर निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। कई सड़कों पर पानी भरने की वजह से वाहन चालक परेशान होते रहे। कई जगह तो गाड़ियां आधी से अधिक पानी में डूब गई। यह सब तब हुआ जब शहर में अभी एक इंच भी पानी नहीं गिरा है। गौरतलब है कि पिछले साल तेज बारिश में शहर में कई बस्तियां पूरी तरह से डूब गईं थी।

पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाती
शहर में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है। निगम ने शहर में जगह जगह नाला टेपिंग कर दिया है जिसकी वजह से पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाती है। लगभग पूरा शहर सीमेंट की सड़कों के जाल से घिरा हुआ है और यदि कहीं पर भी ड्रेनेज लाइन चोक हो जाती है तो आसपास की सभी सड़कों पर पानी भर जाता है।

ड्रेनेज के ढक्कन खोले तब जाकर पानी हुआ कम

भमोरी रोड पर भी कुछ इसी तरह के हालात बने। यहां पर बारिश होते ही पूरी सड़क पानी में डूब गई। गाड़ियां आधी से अधिक पानी में डूबने लगी। निगम के कर्मचारियों ने आसपास के ड्रेनेज के ढक्कन खोले तब जाकर पानी निकलना शुरू हुआ। यहां की सड़क पर तो लोग एक घंटे से भी अधिक समय तक गाड़ियां निकालने के लिए संघर्ष करते रहे। शुक्रवार को 12 बजे शुरू हुई बारिश रुक रुककर शाम तक चलती रही, इस दौरान एक इंच से अधिक पानी गिरा।

भीषण गर्मी और उमस से राहत

इंदौर में दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री और रात का 25 डिग्री पर आ गया है। बारिश आते ही इंदौर को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिल गई है। प्रदेश में लगभग सभी जिलों में पारा गिरा है और अधिकतम तापमान नौगांव में 40.5 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश के पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में मानसून पहुंच गया। बैतूल, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा में भी शनिवार सुबह तक मानसून पहुंच सकता है। जबकि 22-23 जून तक भोपाल, 24 जून तक इंदौर और 25-26 जून तक उज्जैन संभाग में पहुंच सकता है। ग्वालियर-चंबल में सबसे आखिरी में मानसून पहुंचने की संभावना है।

सीहोर की सीवन नदी उफनाई

भोपाल में शुकवार सुबह 3 से 8 बजे के बीच लगभग 4.8 इंच बारिश हुई। जबकि, सीहोर में दो घंटे में 4 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। यहां की सीवन नदी में पानी का तेज बहाव है। जबकि, गुरुवार तक यह नदी पूरी तरह से सूखी थी। रतलाम, उज्जैन, रायसेन और शाजापुर में भी रुक-रुककर बारिश का दौर जरी है।

एमआईसी बैठक में गरमाया घोटाला, एफआईआर लिखवाने वाले कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता को बैठक छोड़कर जाना पड़ा

डिजिटल पोर्टल रोकेगा नगर निगम में भ्रष्टाचार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महापौर परिषद बैठक में 100 करोड़ के घोटाले का मुद्दा गरमाया। दो एमआईसी मेंबरों की आपत्ति के बाद घोटाले की एफआईआर लिखवाने वाले कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता को बैठक छोड़कर जाना पड़ा। एमआईसी सदस्य जीतू यादव व मनीष मामा बैठक में सवाल उठाया कि लंबे समय से घोटाले हो रहे थे,क्या गुप्ता को इसकी जानकारी नहीं थी। अभी भी ड्रेनेज से जुड़े काम अटके हुए है। गुप्ता अपने चेहते ठेकेदारों का काम देते है। वे भी घोटाले के जिम्मेदार है। बैठक में गुप्ता की मौजूदगी से नाराज दोनो सदस्य जब अपनी कुर्सी से उठने लगे तो गुप्ता को बैठक छोड़कर जाना पड़ा। इसके बाद बैठक में अन्य विषयों पर चर्चा हो पाई। बैठक में मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रहेगा। जिन लोगों के ट्रांसफर किए उन्हें जल्द रिलीव किया जाएगा। मेयर ने स्पष्ट किया एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सुनील गुप्ता का ट्रांसफर हो चुका है और आचार संहिता भी खत्म हो चुकी है। उनके खिलाफ निगम घोटाले को लेकर लगातार आरोप भी लगते रहे हैं। उनका ट्रांसफर मेरे कहने पर किया गया था। उन्हें रिलीव करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें बैठक में इसलिए शामिल होने से मना कर दिया गया। मेयर ने कहा कि बैठक के दौरान जिस कर्मचारी (रवि) ने वीडियो वायरल किया था, उसे भी हटाने के निर्देश दिए गए हैं। भ्रष्टाचार न हो इसके लिए 1 जनवरी से नगर निगम का डिजिटल पोर्टल शुरू किया जाएगा।

प्रकरण भी दर्ज कराए जाएंगे

मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि घोटाले में जो भी अफसर लिप्त पाए गए है। उन्हें न केवल नौकरी से हटाया गया है,बल्कि उनके खिलाफ प्रकरण भी दर्ज कराए जाएंगे।
भ्रष्ट अफसरों पर अब पूरी तरह नकेल कसी जाएगी। बैठक में 15 से ज्यादा एजेंडों पर चर्चा हुई। आपको बता दे कि मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने भी गुप्ता की कार से घोटाले की फाइलें चोरी होने पर सवाल उठाया था, हालांकि बाद में पुलिस ने घोटाले का मुख्य आरोपी अभय राठौर को माना। राठौर की पत्नी ने भी गुप्ता पर आरोप लगाए है। गुप्ता को जिस विभाग का जिम्मा है। उसमें बगैर काम हुए करोड़ों के बिल मंजूर हो गए। बैठक के बाद गुप्ता को रिलीव करने पर भी

चर्चा हुई। उनका तबादला पहले ही हो चुका है। बैठक में तय हुआ कि 400 करोड़ रुपये नए मार्गों के निर्माण पर खर्च होंगे। सराफा चौपाटी को लेकर मार्केट विभाग को निर्देश दिए गए कि चौपाटी में एकरुपता के लिए एसओपी जारी की जाए। ठेलों के आकार और डिजाइन एक समान हो और उनके साइन बोर्ड भी एक रंग और आकार के होना चाहिए। गांधी हाल को निजी हाथों में सौंपने का विषय भी महापौर परिषद बैठक में रखा गया था, लेकिन उस पर अभी चर्चा नहीं हो पाई। बैठक में तय हुआ कि उद्यान विभाग के लिए दस डंपर खरीदे जाएंगे।

एमआईसी बैठक में हुए ये फैसले

भ्रष्टाचार न हो इसके लिए 1 जनवरी से नगर निगम का डिजिटल पोर्टल शुरू किया जाएगा।
एमआर-3 रोड अब निगम नहीं आईडीए बनाएगा। निगम ने इसे बनाने का जो निर्णय लिया था, उसे कैंसिल कर दिया है। उसमें कई किसानों की जमीन है। उसमें ग्रीन बेल्ट की भी जमीन है।
मास्टर प्लान की 23 महत्वपूर्ण सड़कों को लेकर कंसल्टेंट नियुक्त करने और चार क्लस्टर में करने की अनुमति दी गई है।
- निगम की खुद की बिल्डिंग का जो काम रुका था, उसके बचे हुए काम की स्वीकृति के साथ एक बिल्डिंग जल्द तैयार होगी। इसे तीन से चार माह में करने के निर्देश दिए हैं।
- बायपास का सर्विस लेन दो की बजाय फोर लेन किया जाएगा। इसका लैंड यूज चेंज करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। उसमें कंसल्टेंट की रिपोर्ट पर आगे बढ़ेंगे।
- अभी निगम द्वारा 51 लाख पौधा रोपण मिशन में 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 11 जेसीबी और 11 डम्पर खरीदने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
- रोटरीज को भी खूबसूरत बनाने के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।
- रेवेन्यू के लिहाज से जेंट्री, फूट ओवर ब्रिज उनके टेंडर भी जारी करने की स्वीकृति दी गई है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना में जितनी भी रजिस्ट्रियां आचार संहिता के कारण रुकी थी, उन्हें भी मंजूरी दी गई है।
- स्व. बाबूलाल बाहेती, पूर्व सांसद स्व. कल्याण जैन, स्व. गोविंद मालू के नामकरण के प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। इसे कमेटी को भेजा है। अगली बैठक में इस मुद्दे को फिर रखा जाएगा। फिर मीटिंग के प्रस्ताव अनुसार काम किया जाएगा।
- फायर सेफ्टी को लेकर अलग-अलग स्थानों पर प्लेसेस डेवलप हो, इसके साथ ही नए संसाधन खरीदेंगे। इसके लिए 5.50 करोड़ रु. सहित निगम मद से मिलाकर इन्हें खरीदा जाएगा। इसका टेंडर जारी किया जाएगा। एजेंसी निगम स्टाफ को इसके लिए ट्रेनिंग देगी।
- इंदौर की सराफा चौपाटी को लेकर परम्परा भी बनी रहे और सुरक्षा भी रहे, इसके लिए मार्केट डिपार्टमेंट को एक एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। वह सुंदर कैसे दिखे, सुरक्षा कैसी हो और दुकानें सुचारू चलती रहे, इसका प्रस्ताव बनाकर एमआईसी में रखा जाएगा। इसमें तय होगा कि यहां कितनी दुकानें रहना चाहिए।
- जल वितरण के लिए एक सब बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
- गांधी हॉल के मेंटेनेंस के लिए भी चर्चा हुई है। वहां यहां कार्यक्रम हो, इसके लिए प्रस्ताव बनाने को कहा गया है।

तेज बारिश में जानापाव पहाड़ी से सड़क पर गिरे पत्थर

वाहन चालक हुए परेशान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महू के पास स्थित भगवान परशुराम की जन्मस्थली जाना पाव की पहाड़ी पर शुक्रवार दोपहर में तेज बारिश के चलते पहाड़ों से लैंडस्लाइड होने लगी। यहां देखते ही देखते पहाड़ों से बड़े-बड़े पत्थर गिरने लगे। यहां से निकल रहे लोगों द्वारा पत्थरों को साइड कर अपने वाहनों को निकाला गया। वीकेंड पर बड़ी संख्या में यहां पर पर्यटकों की भीड़ रहती है। लेकिन अब यहां आने वाले पर्यटकों को लैंडस्लाइड का ध्यान रखने की आवश्यकता है। इसके पहले भी पानी गिरते ही यहां पहाड़ियों से पत्थर गिरने का मामला सामने आ चुका है। शुक्रवार सुबह 11 बजे से हो रही पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के कारण यहां पर लैंडस्लाइड हुई है। फिलहाल लैंडस्लाइड के चलते किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बीच रोड पर पड़े बड़े-बड़े पत्थरों को हटाकर यहां से गुजरना पड़ा। पिछले साल पर्यटक स्थल जाम गेट पर भी लैंडस्लाइड हुई थी। जिसके चलते महू मंडलेश्वर मार्ग को दो दिन तक बंद करना पड़ा था।
वहीं मामले में मानपुर थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर शोभाराम रावत का कहना है अभी मामले की जानकारी नहीं लगी है मौके पर जाकर देख रहे हैं।

ग्रीन बेल्ट की जमीन पर निर्माण

उद्घाटन से पहले 54 कमरों को होस्टल पर चली जेसीबी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सर्वानंद नगर में 54 कमरों का एक होस्टल नगर निगम की रिमूवल गैंग ने तोड़ दिया। इस नए नवेले होस्टल का कुछ दिन बाद ही उद्घाटन होना था,लेकिन उद्घाटन का नारियल फूटता, उससे पहले पोकलेन के पंजों ने होस्टल की शक्ल बिगाड़ दी। होस्टल टूटते देख कॉलोनी के रहवासी एकत्र हो गए और उसे तोड़े जाने पर खुशी जताई। उनका कहना था कि रहवासियों के क्षेत्र में इतना बड़ा होस्टल संचालित होता तो शांति भंग होती। अफसरों का कहना है कि पूरा होस्टल ग्रीन बेल्ट की जमीन पर अवैध तरीके से बनाया गया था, लेकिन अभी बिल्डिंग में होस्टल का संचालन अभी शुरू नहीं हो पाया था। जांच में अफसरों ने पाया कि तीन मंजिला होस्टल को दो प्लॉटों को जोड़कर बनाया था, जो नियमानुसार सही नहीं है। इस होस्टल का निर्माण भरत सोनी व अन्य ने किया था। परिवारजनों का कहना था कि कॉलोनी में अन्य कई निर्माण हुए है, लेकिन उनके भवन को ही अफसरों ने जानबूझ कर निशाना बनाया। भवन मालिक के परिवार के लोग अफसरों से मिलने पहुंचे और दस्तावेज बताए, लेकिन अफसरों ने कहा कि बिल्डिंग का नक्शा मंजूर नहीं हुआ। जिस प्लॉट पर भवन बना है। उसका लैंडयूज ग्रीन बेल्ट है। इस कारण व्यावसायिक गतिविधिया संचालित नहीं हो सकती है।

योग दिवस पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा- मोमोस, नूडल्स बच्चों के लिए जहर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में योग दिवस पर अनेक आयोजन हुए। स्कूलों में, शासकीय संस्थानों में सामूहिक योग किया गया। शारदा कन्या विद्यालय में हुए योग के दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारा स्वास्थ्य खराब न रहे। इसलिए योग करना चाहिए। हमें अपने भोजन पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए मोमोस, नूडल्स जहर के समान है। मैदा पचाना आसान नहीं रहता। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग नशे से भी दूर रहे। मंत्री विजयवर्गीय ने विभिन्न स्पर्धा में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत भी किया। योग से पहले विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का ऑनलाइन भाषण भी सुना। इस मौके पर मंत्री विजयवर्गीय ने कर चले हम फिदा गीत भी सुनाया। अभय प्रशाल में भी योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीएसएफ के जवान, मूक-बधिर बच्चों ने योग किया। यहां योग करने के लिए विदेश से भी तीन युवतियां आई थीं। पौने घंटे में विभिन्न आयोजनों की विस्तार से जानकारी दी गई। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने गोपुर चौराहे पर सामूहिक योगा किया।
अभय प्रशाल में योगा के लिए मंत्री विजयवर्गीय के अलावा सांसद शंकर लालवानी और विधायक गोलु शुक्ला का भी नाम पुकारा गया। विजयवर्गीय ने तो पूरे समय योगा किया, लेकिन लालवानी चार आसन करने के बाद कुर्सी पर बैठ गए। विधायक शुक्ला ने भी दो आसनों के बाद कुर्सी संभाल ली। उधर निगमायुक्त शिवम वर्मा को योग के कुछ आसन करने में परेशानी आई। कलेक्टर आशीष सिंह ने भी पूरे समय योग किया।

'पर्यटन से योग' के संदेश के साथ मना विश्व योग दिवस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। 'पर्यटन से योग' का संदेश देने के लिए मध्यप्रदेश के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो, भीमबेटका, सांची स्तूप सहित पचमढ़ी, मांडू, ग्वालियर एवं अन्य पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सखियों ने योग के विभिन्न आसान किए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में 5 हजार से अधिक पर्यटन सखियों ने प्रदेश के 50 पर्यटन स्थलों पर योग किया। साथ ही पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर वैभवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति के बारे में जाना।

टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिलाओं को पर्यटन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थानीय महिलाओं को विशेष प्रयास के तहत योग के लिए आमन्त्रित किया गया। जिससे वे पर्यटन स्थलों से अवगत हो सकें और दूसरों को भी पर्यटन के लिए प्रेरित करें। महिला हेतु सुरक्षित पर्यटन परियोजना के तहत 20 संकुलों के 50 पर्यटन स्थलों पर परियोजना सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से योग कार्यक्रम आयोजित किये गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग को ध्यान में रखते हुये योग अभ्यास किया गया। परियोजना क्रियान्वयन में सहयोगी संस्थाओं, स्थानीय प्रशासन, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सदस्यों, परियोजना के हितधारकों, होटेलियर्स, कौशल एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त युवतियों/महिलाओं, स्कूल एवं महाविद्यालयों की छात्राओं, पर्यटन उद्यम से जुड़े प्रतिष्ठानों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

बता दें महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना का संचालन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्भया कोष और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों को महिला पर्यटकों के जोड़ने और महिला पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से संचालन किया जा रहा है। 10 हजार महिलाओं को रोजगार और 40 हजार महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे महिलाओं को पर्यटन क्षेत्र में रोजगार मिलने के साथ महिला पर्यटकों में सहजता और सुरक्षा का भाव बढ़ रहा है। अब तक 8 हजार से अधिक महिलाओं को पर्यटन क्षेत्र के 48 जॉब रोल में ट्रेनिंग दी गई है। दिल खोल के घूमो हिंदुस्तान के दिल में आप सेफ है... के ध्येय वाक्य के साथ पर्यटन बोर्ड द्वारा समुदाय के सहयोग से किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में महिला सोलो पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

गोवंश के अवैध परिवहन पर पुलिस हुई सख्त

6 माह में एक हजार से ज्यादा अपराधी पकड़े

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस राज्य में गोवंश के वध और खुले में मांस की बिक्री व अवैध परिवहन पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में पिछले 6 माह से तत्परता से कार्रवाई कर रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रत्येक जिले में पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय किया और निगरानी स्वरूप परिवहन मार्ग चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई कर रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद दिसंबर 2023 में पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस को प्रदेश में गोवंश के अवैध परिवहन पर कठोरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद पुलिस ने गत 6 माह में अवैध गोवंश से संबंधित कुल 575 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। इन प्रकरणों में 1121 अपराधियों को गिरफ्तार कर 7524 गोवंश की मुक्ति कराई जा चुकी है। इस कार्रवाई में अब तक अवैध रूप से परिवहन कर रहे 342 वाहन भी जब्त किए जा चुके हैं।

सीमावर्ती जिलों पर रखी जा रही है विशेष नजर

पुलिस को अवैध परिवहन पर गोपनीय स्तर पर निगाह रखना

आवश्यक था। इसलिए पुलिस मुख्यालय ने गत 10 वर्षों के गोवंश के अवैध परिवहन के ट्रेंड और रूट्स का गहन विश्लेषण कर कार्ययोजना तैयार की। इसके आधार पर पुलिस को यह स्पष्ट हुआ कि मप्र के दक्षिण व पश्चिम के सीमावर्ती जिले जैसे बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, उज्जैन, रतलाम, नीमच आदि जिले गोवंश के अवैध परिवहन से सर्वाधिक प्रभावित हैं। इन सभी क्षेत्रों में पुलिस तत्परता से ध्यान पूर्वक लगातार कार्रवाई कर रही है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि कई बार गोवंश का अवैध परिवहन करने वाले अपराधी मुख्य मार्गों से हटकर जंगल व गांव के कच्चे रास्ते से गोवंश निकालने का प्रयास करते हैं। इस ओर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा कई प्रकरणों में आरोपी इन स्थानों से पकड़े गए।

गोवंश के अवैध परिवहन पर विशेष अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 11 जून को प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं एसपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गोवंश के अवैध परिवहन पर विशेष कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया था। इन निदेशों के परिपालन में पुलिस द्वारा विगत सप्ताह 13 से 20 जून 2024 तक पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर गोवंश के अवैध परिवहन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इस अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में 70 प्रकरण गोवंश के अवैध परिवहन के दर्ज किए गए। इसमें 124 आरोपियों पर करवाई कर 38 वाहन जब्त किए गए तथा 528 पशु मुक्त कराए गए।

मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम

मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत मध्यप्रदेश में गौमांस एवं गोवंश के अवैध परिवहन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। अधिनियम में गौमांस एवं गोवंश को परिभाषित करते हुए उनके वध एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाई गई है। इसी प्रकार से मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के अंतर्गत भी गोवंश के वध पर प्रतिबंध है। पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम भी इसी प्रकार किसी भी पशु को पीटने, अत्यधिक सवारी करने, बोझा लादने व किसी भी प्रकार की पीड़ा या यातना देने पर रोक लगाता है। गत दिनों उपरोक्त अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में जिले के अधिकारियों को विशेष रूप से अवगत कराया गया एवं प्रशिक्षित किया गया।

नीट-यूजी एग्जाम फर्जीवाड़े के विरोध में कांग्रेस का हल्ला बोल

दिग्विजय और जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नीट-यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि बच्चों की बौद्धिक हत्या अगर कहीं से शुरूआत हुई तो वह मध्य प्रदेश है। पहले व्यापमं के माध्यम से बच्चों के भविष्य को इन्होंने रौंदा। पुलिस भर्ती परीक्षा में घपले हुए, वन रक्षक, सहकारी बैंकों में भर्ती का घोटाला हुआ। मध्यप्रदेश को घोटालों की नर्सरी बना दिया। भाजपा की सरकार घोटाला को संरक्षित करती है। नरेंद्र मोदी पेपर लीक करवाते हैं। भाजपा के मुख्यमंत्री और मंत्री घोटाला करवाते हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग घोटाले में मास्टर माइंड महेंद्र गुप्ता की जांच होना चाहिए। इस घोटाले का मास्टरमाइंड महेंद्र गुप्ता किसका ओएसडी है। इस घोटाले के लिए दोषी मंत्री से इस्तीफा क्यों नहीं लिया जाता।

हिंदू परिवारों के बच्चों के साथ हुआ अन्याय

एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने धरना प्रदर्शन में सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने इस दौरान कहा कि परीक्षाओं में हो रहे घोटाले से 14 लाख से ज्यादा हिंदू परिवारों के बच्चों के साथ अन्याय हुआ है। मोहन यादव बताएंगे कि इस मामले में कुछ करेंगे। नेट एग्जाम में जब शिकायत आई तो उसे कैंसिल कर दिया। लेकिन नीट जिसमें 14 लाख बच्चों का भविष्य निर्भर है, उसे रद्द नहीं किया।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि वो लोग कहां हैं जो हिंदुओं का ठेका लिए रहते हैं। 14 लाख में से कितने मुसलमान होंगे, जिन्होंने परीक्षा दी है। 5-10 फीसदी मुसलमान होंगे बाकी तो हिंदू हैं। बजरंग दल हमारे खिलाफ रोज बयान देता है। वो हिंदुओं के बच्चों के हक में आवाज क्यों नहीं उठाते। भाजपा और आरएसएस का स्वरूप एक जैसा है। खाओ और खाने दो की मानसिकता पर काम करते हैं। अधिकारियों कर्मचारियों के साथ मिलकर लूटते हैं। जहां-जहां भाजपा का राज रहा है ऐसा हुआ है। जब से मोदी सरकार आई है घोटाले हो रहे हैं। एक भी घोटाले में न तो उन्होंने जांच कराई और न अपना मुंह खोला। सिंह ने कहा कि भाजपा के राज में जितनी भी नियुक्तियां हुई हैं वहां घपला हुआ है। चाहे वह एमपी हो, यूपी या राजस्थान हो। पहले तो मध्य प्रदेश की यही बदनामी होती थी कि व्यापमं के डॉक्टर से इलाज नहीं कराएंगे। अब तो तो नीट में घोटाला हो गया। जिनकी नीट के जरिए भर्ती होगी, जो एम्स में पहुंच जाएंगे। अब जानकारी मिल रही है कि जिन्होंने पहले फार्म भर उन्हें पहले कॉलेज मिल जाएगा यह सब घपले का तरीका है।

पूरा खेल एन का

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान के समय में मध्यप्रदेश में व्यापमं घोटाला हुआ। अब वे दिल्ली चले गए वहां नीट और नेट घोटाला हो गया। पूरा खेल ठ का है। ठ से नीट और नेट घोटाला। एन से ही एनडीए और नरेंद्र मोदी का नाम आता है। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि घोटालों के पीछे की वजह देखेंगे तो कोई न कोई भाजपा से जुड़ा व्यक्ति शामिल पाया जाता है। कमलेश्वर ने कहा एक और बड़ा घोटाला ईवीएम का है। अभी एलन मस्क ने जो कहा उसकी यदि सही जांच हो जाए तो सच सामने आ जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने कहा कि एमपी में इतने घोटाले हो रहे हैं। ये युवाओं और आने वाली पीढ़ी के भविष्य का सवाल है। अकेले राजनीतिक दलों के भरोसे बैठने से कुछ नहीं होगा। सबको इस माहौल के खिलाफ आवाज उठानी पड़ेगी।

भोपाल में नीम के पेड़ का 30वां बर्थ-डे मना

पेड़ को बच्चे की तरह पालते हैं व्यापारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में एक नीम का पेड़ खास है। भेल के पिपलानी आदर्श मार्केट में लगे इस पेड़ को व्यापारी बच्चे की तरह पालते हैं। 21 जून, शुक्रवार को उन्होंने इस पेड़ का 30वां बर्थ-डे मनाया। सुबह केक काटा और फिर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। नीम के पेड़ का बर्थ-डे मनाने के पीछे लोगों को यह संदेश दिया कि वे पेड़ों से प्यार करें। उन्हें काटे नहीं। हर साल बड़े स्तर पर पौधे लगाएं और उन्हें बच्चों की तरह पाले।

जल निगम के प्रबंध संचालक केवीएस चौधरी कोलसानी, शिक्षाविद् प्रोफेसर डॉ. पीके विश्वास, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अनुराग शर्मा, पुलिस अधिकारी दीपक नायक, भेल के पूर्व महाप्रबंधक एसबी सिंह, भेल के नगर प्रशासनक टीयू सिंह, भेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अमूल्य

देवता अतिथि के रूप में मौजूद थे। वहीं अध्यक्षता भेल के पूर्व गरुप महाप्रबंधक विजय जोशी ने की। आदर्श मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष सरदार सिंह, उपाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, प्रवक्ता सुधीर पंड्या भी मौजूद थे।

21 जून 1995 को लगाया था पौधा

व्यापारियों ने 21 जून 1995 को नीम का पौधा लगाया था, जो अब पेड़ का आकार ले चुका है। पहले साल से ही व्यापारी पेड़ का जन्मदिन मना रहे हैं। शुक्रवार को 30वां साल शुरू हो गया। इसलिए सुबह 11 बजे जन्मोत्सव की शुरूआत की गई।

बड़ी प्रेरणा देने वाली बात

पूर्व गरुप महाप्रबंधक भेल जोशी ने बताया, पिपलानी आदर्श मार्केट में व्यवसाय से छोटे लेकिन दिल से बड़े व्यापारी 30 वर्षों से अनवरत रूप से न केवल खुद के द्वारा लगाए गए एक नीम के पेड़ को अपने बच्चे जैसा पाल पोस रहे हैं। साथ ही हर वर्ष पूरी शिद्दत, समर्पण और श्रद्धा के साथ जन्मदिन मनाते आ रहे हैं। यह बड़ी प्रेरणा देने वाली बात है। कार्यक्रम के दौरान विदिशा नगर में समाज के निर्धन वर्ग की आजीविका के लिए गांधीवादी प्रोजेक्ट स्थापित करने पर सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व डायरेक्टर डॉ. जेएस चौहान को भी सम्मानित किया गया।

यह दिया संदेश

बारिश में हर साल लोग पौधे लगाते हैं, लेकिन बाद में उनकी देखभाल करना भूल जाते हैं। ऐसे में पौधे बड़े होकर पेड़ नहीं बन पाते। दूसरी ओर पेड़ों की कटाई होने से हरियाली खत्म हो रही है, लेकिन भेल के पिपलानी आदर्श मार्केट के व्यापारी लोगों को संदेश दे रहे हैं कि पौधे लगाएं और उनकी अच्छी से देखभाल करें, क्योंकि पेड़-पौधे रहेंगे तो ही हम रहेंगे।

वंदे भारत ट्रेन में यात्री के खाने में मिला कॉकरोच

सिटी चीफ भोपाल।

देश की सबसे आधुनिक मानी जाने वाली वंदे भारत ट्रेन में आए दिन लापरवाही देखने को मिल रही है। यात्रियों को ज्यादा किराया देकर भी आईआरसीटीसी द्वारा गुणवत्ता युक्त खाना नहीं मिल पा रहा है। एक मामला सामने आया है जिसमे यात्री के खाने में मरा कॉकरोच मिला है। हालांकि हंगामे के बाद आईआरसीटीसी ने यात्री से माफी मांगते हुए खाना परोसने वाली फर्म पर जुर्माना लगाया है। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से रवाना हुई थी। फिलहाल ऑनलाइन टिकट, खानपान व पर्यटन का कार्य करने वाली कंपनी आईआरसीटीसी ने इस मामले को संज्ञान में लिया है और कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि 18 जून को एक परिवार वंदे भारत ट्रेन से भोपाल से आगरा जा रहे थे। यात्रा के दौरान उन्हें खाना परोसा गया। लेकिन जैसे ही उन्होंने पैकेट खोला तो उनके होश उड़ गए। यात्री ने देखा कि उसकी दाल में मारा हुआ कॉकरोच तैर रहा है। इसके बाद उसके साथ सफर कर रहे भतीजे ने अपने चाचा-चाची को परोसे गए खाने में कॉकरोच की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। नाराजगी जताते हुए उसने भारतीय ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। फोटो वायरल होने पर खाना सप्लाई करने वाली कंपनी हरकत में आई और इस मामले संज्ञान लेकर वायरल पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। यात्री की शिकायत के बाद आईआरटीसी ने माफी मांगी। साथ ही भोजन परोसने वाले फर्म पर जुमार्ना लगाया।

जमीन-प्लाट के नाम पर करोड़ों ठगने वाला गिरफ्तार

रिश्तेदार के घर हुलिया बदलकर रह रहा था आरोपी, क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

भोपाल। भोपाल में 50 से अधिक लोगों को करोड़ों रुपए की चपत लगाकर फरार हुए बिल्डर अनवर बैग को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ईटखेड़ी इलाके में रिश्तेदार के घर हुलिया बदलकर रह रहा था। जमीन-प्लाट और दुकान देने के नाम पर आरोपी ने दर्जनों ठगी की वारदातों को अंजाम दिया था। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक स्थायी वारंट थे। वह हुलिया बदलकर रिश्तेदार के घर छिपा था।

पुलिस के मुताबिक अनवर बैग (57) गिन्नौरी थाना तलैया भोपाल का रहने वाला है। वह स्वयं को बिल्डर्स बताता था। वर्ष 2010 से 2020 के बीच उसने गिन्नौरी, तलैया, श्यामला हिल्स, जहांगीराबाद आदि इलाकों विभिन्न प्रोजेक्ट्स, अपार्टमेंट, कमर्शियल अपार्टमेंट, दुकान और प्लाटिंग के नाम पर ठगी की। इसके बाद उसने लोगों को प्रॉपर्टी नहीं दीं।

कई प्रॉपर्टी ऐसी हैं जो आरोपी एक ही संपत्ति दो से तीन लोगों को भी बेच चुका है। अधिकांश संपत्तियों पर उसने किसी को भी मालिकाना हक नहीं दिया। इतना ही नहीं कई प्रोजेक्ट्स को तो पूरा ही नहीं किया। इस प्रकार आरोपी ने करीब पचास से अधिक लोगों को ठगकर 10 करोड़ से अधिक की राशि हड़पी है।

अलग-अलग थानों में दर्ज हैं 30 एफआईआर

आरोपी के खिलाफ शहर के श्यामला हिल्स थाना, कोतवाली थाना, जहांगीराबाद थाना, तलैया थाना और क्राइम ब्रांच में 30 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। कई मामलों में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी थी, लेकिन कोर्ट से उसके स्थायी वारंट जारी है। पुलिस से

बचने आरोपी लगातार लोकेशन बदलकर रहता है। फरारी उसने बैतूल, मुंबई, प्रयागराज में काटी है। दो दिन पहले वह रिश्तेदार के घर ईंटखेड़ी इलाके में आया था।

बचने के लिए दाढ़ी और सिर के बाल बढ़ा लिए

पहचान न हो सके इसके लिए उसने दाढ़ी और सिर के बाल बड़ा लिए हैं। हालांकि, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लंबे समय से मुखबिर सक्रिय कर रखे हैं। उसके द्वारा रिश्तेदार के घर छिपे होने की जानकारी पुलिस को मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर गुरुवार-शुक्रवार की रात उसे गिरफ्तार कर लिया।

सम्पादकीय

मगहर के संत कबीर दास और उनका मगहर...

सोलहवीं सदी के महान संत कबीर दास ने लगभग पूरा जीवन वाराणसी यानी काशी में ही बिताया लेकिन जीवन के आखिरी समय वे मगहर चले आए और अब से पांच सौ साल पहले वर्ष 1518 में यहीं उनकी मृत्यु हुई। कबीर स्वेच्छा से मगहर आए थे और इसी किंवदंती या अंधविश्वास को तोड़ना चाहते थे कि काशी में मोक्ष मिलता है और मगहर में नरक।

हर वर्ष ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि पर कबीर जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष 22 जून को कबीर जयंती है। संत कबीरदास भक्ति आंदोलन के समकालीन थे। कबीर दास की जन्म तिथि के बारे में सत्य जानकारी उपलब्ध नहीं है। इतिहासकारों की मानें तो मगहर के महान संत कबीर दास का जन्म 1398 को ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि पर हुआ था। वाराणसी के पास लहरतारा तालाब में नीरू और नीमा नामक दंपति को कबीर दास बाल्यावस्था में कमल पुष्प के ऊपर मिले थे। अतः लहरतारा को कबीर की जन्मस्थली माना जाता है। वहीं, जीवन के अंतिम समय में कबीर दास मगहर में रहे थे। इसके लिए उन्हें मगहर के महान संत की उपाधि दी गई। कबीर दास बाल्यावस्था से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे। भक्तिआंदोलन का प्रभाव कबीर दास पर व्यापक रूप से पड़ा। गुरु रामानंद जी से कबीर दास ने दीक्षा हासिल की। कालांतर में कबीर दास निर्गुण शाखा के महान संत थे। उन्होंने बाह्य आडंबर पर प्रतिघात किया। कबीर दास ने भक्ति और कविता के माध्यम से प्रभु की साधना की। अपने जीवनकाल में कबीर दास ने कई रचनाएं की हैं। इन रचनाओं में जीवन जीने का उद्देश्य निहित है। सोलहवीं सदी के महान संत कबीर दास ने लगभग पूरा जीवन वाराणसी यानी काशी में ही बिताया लेकिन जीवन के आखिरी समय वे मगहर चले आए और अब से पांच सौ साल पहले वर्ष 1518 में यहीं उनकी मृत्यु हुई। कबीर स्वेच्छा से मगहर आए थे और इसी किंवदंती या अंधविश्वास को तोड़ना चाहते थे कि काशी में मोक्ष मिलता है और मगहर में नरक। मगहर पूर्वी उत्तरप्रदेश में गोरखपुर से करीब तीस किमी. दूर स्थित है। मगहर नाम को लेकर भी अलग-अलग बातें मौजूद हैं। मसलन, यह भी कहा जाता है कि प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षु इसी मार्ग से कपिलवस्तु, लुंबिनी, कुशीनगर जैसे प्रसिद्ध बौद्ध स्थलों के दर्शन के लिए जाया करते थे। इस इलाके के आस-पास अकसर उन भिक्षुओं के साथ लूट-पाट की घटनाएं होती थीं और इसीलिए इस रास्ते का ही नाम 'मार्गहर' यानी मगहर पड़ गया। लेकिन कुछ जानकारों के मुताबिक, मार्गहर नाम इसलिए नहीं पड़ा कि यहां लोग लूट लिए जाते थे, बल्कि इसलिए पड़ा कि यहां से गुजरने वाला व्यक्ति हरि यानी भगवान के पास ही जाता है। ये कुछ ऐसी बातें हैं जिनकी ऐतिहासिक स्रोतों से तो सीधे तौर पुष्टि नहीं होती लेकिन तमाम ऐतिहासिक तथ्य इन बातों का समर्थन करते जरूर मिल जाते हैं। कुछ जानकार बताते हैं कि ऐतिहासिक साक्ष्य भले ही न हों लेकिन इनकी ऐतिहासिकता को सिरे से खारिज भी नहीं किया जा सकता।

दरअसल, ऐसी जनश्रुतियों के आधार पर ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल के लिए गहरे शोध की जरूरत है। मगहर को पवित्र स्थान न मानने के पीछे की वजह कुछ इतिहासकार बताते हैं कि पूर्वी ईरान से आए माघी ब्राह्मण जिस इलाके में बसे उस इलाके के बारे में ही ऐसी ऋणात्मक धारणाएं गढ़ दी गईं। अवध क्षेत्र से लेकर मगध तक का इलाका इन माघी ब्राह्मणों का था और वैदिक ब्राह्मण इन्हें महत्व नहीं देते थे, तो इनके निवास स्थान को भी नीचा करके दिखाया गया। वाराणसी वैदिक ब्राह्मणों का एक बड़ा केंद्र था, इसलिए उसकी महत्ता बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई। मौजूदा समय में देखा जाए तो मगहर का पूरा इलाका मेहनत मजदूरी करने वालों से भरा हुआ है।प्रशासनिक रूप में ये एक नगर पंचायत है और खलीलाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आती है, लेकिन यहां का मुख्य आकर्षण और पर्यटन केंद्र कबीर चौरा या कबीर धाम ही है। हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के तौर पर याद किए जाने वाले संत कवि कबीर धार्मिक सामंजस्य और भाई-चारे की जो विरासत छोड़कर गए हैं, उसे इस परिसर में जीवंत रूप में देखा जा सकता है। परिसर के भीतर ही जहां एक और कब्र है, वहीं दूसरी ओर एक मस्जिद और उससे कुछ दूरी पर मंदिर है। यही नहीं, करीब एक किमी. की दूरी पर एक गुरुद्वारा भी है जो कि यहां से साफ दिखाई पड़ता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि यह सब आसानी से हो गया। कबीर दास की मृत्यु के बाद उनके पार्थिव शरीर पर अधिकार को लेकर हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष की कथाएं भी प्रचलित हैं। जानकारों के मुताबिक, उसी का नतीजा है कि हिन्दुओं ने उनकी समाधि बनाई और मुसलमानों ने कब्र। लेकिन अब उनके अनुयायी इन दोनों ही जगहों पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए आते हैं। मगहर देशभर में फैले कबीरपंथियों की आस्था का मुख्य केंद्र है। एक अनुमान के मुताबिक देशभर में कबीर के करीब चार करोड़ अनुयायी हैं और सालभर लाखों की संख्या में लोग मगहर पहुंचते हैं। मगहर कस्बे में तमाम स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के अलावा तमाम दुकानों और प्रतिष्ठानों के नाम भी कबीर के नाम पर मिलते हैं। सच तो यह है कि मगहर को लेकर कुछ भी बातें प्रचलित हों, लेकिन यहां के लोग यहां जन्म लेने और यहां मरने, दोनों में ही गर्व का अनुभव करते हैं।

साधना के क्षेत्र में युग गुरु और साहित्य के क्षेत्र में युग दृष्टा कबीर

कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वासों, बाह्याचारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की।

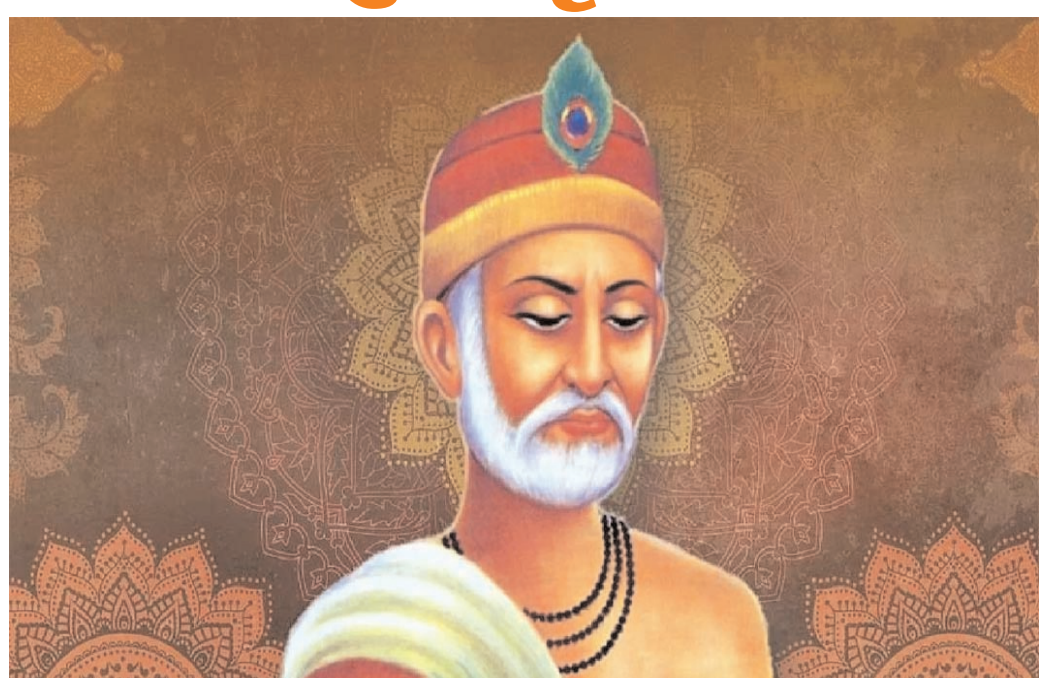

भारतीय चिंतन परंपरा में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर का चिंतन सामाजिक जड़ता, अराजकता, जन्म के आधार पर भेदभाव, सांप्रदायिकता, अस्पृश्यता और उंच-नीच जैसी अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ शंखनाद है। वे ऐसे आदर्श मानवीय समाज की परिकल्पना करते हैं जहां सामाजिक समरसता पर आधारित मानवीय धर्म की प्रतिष्ठा हो। कहा जाता है कि काशी में लहरतारा तालाब पर नीरू तथा नीमा नामक जुलाहा दंपति को एक नवजात शिशु अनाथ रूप में प्राप्त हुआ। इन दोनों ने बालक का पालन पोषण किया जो संत कबीर के नाम से विख्यात हुए। निम्न और वंचित समझी जाने वाली जुलाहा जाति में पलकर भी तत्कालीन धर्म के दिग्गज पंडितों, मौलवियों को एक ही साथ फटकार सकने में समर्थ कबीर ने 'मसी' और 'कागद' न छूकर तथा कलम हाथ में न पकड़ कर भी केवल अपने प्रामाणिक अनुभव के बल पर जो कुछ कहा उसे सुनकर बड़ी-बड़ी पोथियों के अध्येता भी चकित रह गए। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई। संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफगान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्तिशेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था। कुछ वर्गों में सांप्रदायिक कट्टरता एवं संकीर्णता पनप रही थी। समाज में धर्मगत, जातिगत, वर्णगत संप्रदाय गत विषमताएं विकट थीं। फलस्वरूप समाज का निम्न और अछूत वर्ग शोषण, उत्पीड़न, उपेक्षा, अपमान और सामाजिक धार्मिक निर्योग्यताओं का शिकार होने से इनमें आक्रोश, असंतोष और विक्षोभ प्रबल हो रहा था।

ऐसी विषम स्थिति में कबीर की क्रांत दर्शिता विभिन्न मतवादों को समन्वित कर 'सूप' का स्वभाव लेकर उभरी जो किसी भी मत और संप्रदाय के 'थोथे' तत्व को उड़ा सकने एवं उसके सार तत्व को ग्रहण कर सकने में समर्थ है।

यही कारण है कि उनकी बानियां लोक मंगल की भावना से प्रेरित लोकमंगल की साधना को समर्पित है। कबीर का चिंतन आचरण शुद्धि, लोक कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव तथा दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन पर केंद्रित है। कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वासों, बाह्याचारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की। माला जपने, जप तप करने, व्रत रखने, रोजे रखने, मस्जिद में बांग लगाने आदि अनेक पाखंडों की आलोचना की। कबीर ने 'जाति-पांति पूछे नहि कोई। हरि को भजै सो हरि को होई' कहकर समाज को एक नई दिशा दी।

कबीर की कटु आलोचनाओं से समाज के ठेकेदारों के निहित स्वार्थ जब प्रभावित होने लगे तो इन्होंने बादशाह सिकंदर लोदी से शिकायत की। काजियों ने कहा कि कबीर लोगों को इस्लाम के विरुद्ध नसीहत देते हैं जिससे मुसलमान हिंदुओं की तरह ध्यान और भजन करने लगे हैं। पंडितों ने कहा कि कबीर परंपरा से चले आ रहे धार्मिक और सामाजिक नियमों का खंडन करते हैं। लोगों को ऐसे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं जिसे न हिंदू कहा जा सकता है न मुसलमान। बादशाह ने कबीर को ऐसा न करने का आदेश दिया। किंतु कबीर झुके नहीं और निर्भय होकर कहा कि पारस्परिक मतभेदों में समन्वय कर यदि जीवन को सार्थक बनाने योग्य समता मूलक सच्चे सिद्धांतों पर अमल किया जाए तो इसमें क्या दोष है? धर्म के ठेकेदारों को यह मंजूर नही था। बादशाह भी स्वयं मुसलमान था उसने तलवार के जोर से इस्लाम का प्रचार किया। इसलिए बादशाह ने कबीर को मृत्युदंड दिया। कबीर पंथियों का मत है कि लोदी ने अनेक प्रकार के उपायों से कबीर को मरवाने की कोशिश की किंतु किसी दैवी शक्ति या चमत्कार से कबीर का कुछ नहीं हुआ। अंततः कबीर के अलौकिक व्यक्तित्व के समक्ष सिकंदर लोदी नतमस्तक हुआ और कबीर को स्वतंत्रत कर दिया।

एक बार कबीर को बादशाह को सलाम अदा करने के लिए कहा तब कबीर ने उत्तर दिया 'एक परमात्मा के सिवाए मालिके मखलूक और कोई नहीं । मैं उसी को सलाम करता हूं मिट्टी से बने किसी इंसान को नहीं।' कबीर के इस प्रबल आत्मविश्वास और निर्भयता के पीछे उनके अनुभव की प्रामाणिकता, ईमानदारी, सच्चाई और नैतिकता कार्य कर रही थी। खरी-खरी सुनाने का अद्भुत साहस कोई खरी अनुभूति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। कबीर अशिक्षित थे सहज, सरल सबके लिए सुलभ थे। उन्होंने जिंदगी की पोथी को खुली आंखों से पढ़ा था। वे प्रेम के एक अक्षर को पढ़कर ही पंडित हो गए थे। उनकी भक्ति में ज्ञान योग और प्रेम का अद्भुत समन्वय है।

ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं और गुरु के बिना ज्ञान नहीं। कबीर स्वामी रामानंद से गुरु दीक्षा के अभिलाषी थे किंतु शास्त्रानुसार जुलाहे कबीर पात्र नहीं थे। स्वामी रामानंद ने विवशता बताई और कबीर के स्पर्श के कारण दुबारा गंगा स्नान करने को कहा। तब कबीर ने टूटे हुए हृदय से कहा 'आपकी पवित्रता मुझे पावन न बना सकी किंतु मेरी अपावनता ने आपको पुनः स्नान के लिए बाध्य कर दिया। सुना था देवता के स्पर्श से पापी तक पावन हो जाते हैं किंतु आज एक देवता मनुष्य को छूकर अपावन हो गया।' स्वामी रामानंद ने कबीर के कथन में निहित सत्य को अनुभूत किया और बाद मे कबीर को अपने आश्रम ले आए। कबीर ने सदैव शारीरिक श्रम की महत्ता को स्वीकार किया और आजीवन जुलाहे कर्म का निष्ठा से पालन किया।

कबीर की मृत्यु पूर्व की सूचना पर उनके हजारों हिंदू-मुस्लिम भक्त एकत्र हो गए। हिंदू उनका दाह संस्कार करना चाहते थे और मुसलमान दफन। किंतु कबीर जो जीवन भर सांप्रदायिक सद्भाव और एकता के लिए संकल्पित रहे उनका यह विश्वास टूटने पर अलौकिक शक्ति से अपने शव को अदृश्य कर दिया और उस स्थान कुछ पुष्प बिखरे रह गए। आधे पुष्प हिंदुओं ने लेकर दाह संस्कार कर समाधि बना दी। मुसलमानों ने आधे पुष्प दफन कर मकबरा बना दिया। वस्तुतः कबीर हिंदू के भी थे और मुसलमान के भी। वे दोनों को जोड़कर एक मानव संस्कृति के निर्माण की आधारशिला रख रहे थे। अपने सिद्धांतों के लिए जीने, मरने वाले कबीर न किसी जाति में पैदा हुए और न किसी धर्म में मरे जो एक साथ कब्र में दफन और समाधि में समाधिस्थ भी।

निस्संदेह कबीर साधना के क्षेत्र में युग गुरु और साहित्य के क्षेत्र में युग दृष्टा हैं। उनकी साधना वैयक्तिक और आध्यात्मिक होते हुए भी समष्टिपरक है। वे ऐसे सर्जक है जो परंपरा को तोड़ते ही नहीं बल्कि अपनी समकालीनता से उसे नए अर्थ भी देते हैं। कबीर में परंपरा के प्रति निरर्थक मोह नहीं है। वे आत्मा-परमात्मा का रहस्य बतलाते हुए कहते हैं कि आप सब अपने दिलों से हिंदू मुसलमान, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और छोटे-बड़े का भेदभाव मिटा दो। हम सब एक ही राम-रहीम के बंदे हैं। आपस में सद्भाव से मिलजुल कर प्रेम से रहते हुए ईश्वर की भक्ति कर नेक जिंदगी जिए। यही मेरा संदेश और मजहब है।

एक दिन कबीर ने पुत्र कमाल को कहा मुझे मगहर पहुंचा दो। मैं काशी में मरना नहीं चाहता। कमाल ने आश्चर्य से कहा - 'अब्बा, लोग तो दूर-दूर से मरने के लिए काशी में आते हैं और आप काशी छोड़कर मगहर जाना चाहते हैं। सुना है काशी में मरने पर स्वर्ग मिलता है और मगहर में मरने पर नरक।' कबीर ने हंसते हुए कहा कि मैं इसी भ्रम को तोड़ना चाहता हूं। वैसे न मैं स्वर्ग में विश्वास करता हूं न नरक में। स्वर्ग और नरक मन का भ्रम हैं। कर्मों की पवित्रता, नैतिकता से मिलने वाली आत्म शांति स्वर्ग है और पाप कर्मों से मिलने वाली यातना नरक। मुझे अपने कर्मों की पवित्रता पर विश्वास है। मैं मगहर में मरकर भी स्वर्ग ले लूंगा और कबीर ने मगहर में अपना पार्थिव शरीर छोड़ दिया।

निसंदेह साहित्य और धर्म के क्षेत्र में एक नवीन क्रांति के जनक कबीर भौतिक रूप से हमारे मध्य नहीं है किंतु मानवता को हर प्रकार के बंधनों से मुक्त कर अखंड आनंद की प्राप्ति कराने वाला उनका समग्र सृजन, साखियां, बानियां, उलटबासियां, दोहे, बीजक आदि साहित्य प्रगतिशील समाज के लिए प्रेरणा की अमूल्य धरोहर है जिनका आध्यात्मिक रहस्य दुनिया के किसी भी धर्म ग्रंथ से कमतर नहीं है।

भारत के सामने करीबी मित्र बांग्लादेश से पास रखना चुनौती; दोनों पड़ोसियों को मिलकर काम करना चाहिए

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना पंद्रह दिनों के भीतर दूसरी बार भारत की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी दोनों देशों के बीच रिश्ते?और मजबूत करना चाहते हैं। पर यह इस पर भी निर्भर करता है कि भारत बांग्लादेश को क्या दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी और हसीना, दोनों दक्षिण एशियाई क्षेत्र की जटिल राजनीतिक व भू-राजनीतिक गतिशीलता से वाकिफ हैं, जिसमें क्राड चीन की बढ़ती आक्रामकता का मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अनुमान लगाया जा सकता है कि चीन को अलग-थलग करने के लिए भारत ऐसे प्रस्ताव देगा, जिन्हें वह आसानी से मना नहीं कर पाएंगी। इससे हसीना को अगले महीने चीनियों से बातचीत में भी कुछ लाभ मिलेगा। शेख हसीना ने चीनके साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास स्थगित कर दिया है। भारत रक्षा पर 50 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन का शीघ्र कार्यान्वयन चाहता है। हसीना ने तीस्ता नदी के विकास में वित्त पोषण और भागीदारी के चीन के प्रस्ताव को भी टाल?दिया। समझौते के अनुसार, इसके पानी के समान बंटवारे की बांग्लादेश की पुरानी मांग है। लेकिन भारत इसे पूरा करने में असमर्थ रहा है, क्योंकि पश्चिम बंगाल इससे सहमत नहीं है। इस बार भी समझौते की संभावना नहीं दिखती है। वर्ष 2026 में गंगा जल संधि खत्म हो जाएगी, जिसे परस्पर संतुष्टि के लिए फिर से नवीनीकृत किया जाना चाहिए। यदि भारत इसमें चूक जाता है, तो चीन को बांग्लादेश को अपने पाले में लाने की कोशिश करने का मौका मिल जाएगा। इसलिए भारत को अपने 'सबसे करीबी' और 'मित्रवत' पड़ोसी की आकांक्षाओं को पूरा करना चाहिए। भारत और बांग्लादेश, दोनों के पास दीर्घकालिक दृष्टिकोण हैं, जिसे पूरा करने के लिए सहयोग की जरूरत है। भारत 2047 तक 'विकसित' राष्ट्र बनना चाहता है और बांग्लादेश, 'स्मार्ट' राष्ट्र। आर्थिक विकास व सामाजिक सामंजस्य दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। मनुष्यों (कथित अपराधियों समेत), मवेशियों, हथियारों और नशीले पदार्थों की सीमा पार अवैध आवाजाही पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। बांग्लादेश को भारत से ऋण की उम्मीदहै। इसके लिए वह चीन से भी संपर्क करेगा। हालांकि हसीना की इस यात्रा के दौरान किसी नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर की संभावना नहीं है, पर ऐसी घोषणा संयुक्त विज्ञप्ति में की जा सकती है। भारत परस्पर लाभ के लिए निवेश और व्यापार को बढ़ावा देने हेतु व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते का तेजी से क्रियान्वयन चाहता है। वर्ष 2010 से भारत ने बांग्लादेश को 7.36 अरब डॉलर का ऋण देने का वादा किया है। बांग्लादेश इस साल अप्रैल तक केवल 1.73 अरब डॉलर या वादे का 23 प्रतिशत ही उपयोग कर पाया है।

निज्जर की हत्या की बरसी पर श्रद्धांजलि... आखिर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की समस्या क्या है?

इन दिनों भारत और कनाडा के संबंध काफी तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रहे हैं। ताजा मामला कनाडाई संसद द्वारा खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की बरसी पर एक मिनट का मौन रखकर उसे श्रद्धांजलि देने का है। भारत ने जिस निज्जर को 2020 में आतंकवादी घोषित कर दिया था, उसकी पिछले साल 18 जून को कुछ अज्ञात लोगों ने कनाडा के वैंकूवर शहर के सरी इलाके के एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने इस आरोप को बेबुनियाद बताया था, लेकिन उसी वक्त से दोनों देशों के संबंधों में कटुता का समावेश हो गया। विगत 18 जून को सिख प्रदर्शनकारियों ने निज्जर की हत्या की बरसी कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्यिक दूतावास के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर खून का प्रतीकात्मक मुकदमा चला कर मनाई। होव स्ट्रीट के एक ब्लॉक पर हुए इस मुकदमे में अभिनेताओं द्वारा बनाई गई एक फर्जी जूरी और सफेद घुंघराले विग में एक जज भी सम्मिलित था, जिसने %अभियोजक% को पिछले साल सरी में हुई इस हत्या में मोदी की संलिप्तता के सुबूत पेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस मुकदमे की शुरुआत से पहले एक पिंजरे में जेल की धारियों वाली पोशाक में मोदी के पुतले का जुलूस भी निकाला गया। इससे पहले, 11 जून को टोरंटो के ब्राम्पटन इलाके में ऑपरेशन ब्लू स्टार की चालीसवीं बरसी पर इंदिरा गांधी हत्याकांड की एक झांकी भी निकाली गई थी। इस साल कनाडा में भारतीय वाणिज्यिक दूतावास के बाहर भी कई विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने भारतीय झंडे जलाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटआउट को पैरों से रौंदा और उस पर थूका। दरअसल इस साल कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्यिक दूतावास के सामने इस तरह की घटनाएं कई बार हो चुकी हैं और पिछले साल से लेकर अब तक तो कुछ ज्यादा ही। भारत और विदेश में खालिस्तान आंदोलन को लेकर तनाव का इतिहास दशकों पुराना है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कनाडा को एक ऐसे देश के रूप में देखा जाता है, जहां आंदोलन सबसे ज्यादा मजबूत है, और इसलिए भारत में इसकी तीखी आलोचना हुई है, खासकर ट्रूडो के आरोपों के मद्देनजर कि भारत निज्जर की हत्या में शामिल है। वर्ष 2012 में भारत के विदेश मंत्री ने देश की छह दिवसीय यात्रा पर आए तत्कालीन प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर के समक्ष %कनाडा में भारत विरोधी बयानबाजी को फिर से शुरू करने% का मुद्दा उठाया था। हार्पर ने कहा था कि कनाडा एकजुट भारत का समर्थक है, लेकिन उन्होंने खालिस्तान के समर्थन में शांतिपूर्ण बातचीत को चुप कराने से इन्कार कर दिया था। हार्पर ने कहा, %हम अभिव्यक्ति की राजनीतिक स्वतंत्रता के अधिकार में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।% ट्रूडो से जब पिछले सितंबर में नई दिल्ली में जी-20 सम्मेलन के दौरान कनाडा में सिख खालिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने भी हार्पर की प्रतिक्रिया का समर्थन किया। भारत के बाहर कनाडा में सिखों की सबसे बड़ी आबादी है, जहां उनकी संख्या लगभग 7,70,000 है, जो उस देश की आबादी का लगभग 2.1 प्रतिशत है। अन्य देशों में सिखों की आबादी एक प्रतिशत से भी कम है। गौरतलब है कि कनाडा की राजनीति में भी सिखों की सक्रियता अच्छी-खासी है और उन्होंने अपने मकसद तक पहुंचने में राष्ट्रीय राजनीतिक मंच का जबर्दस्त उपयोग किया है। इनमें से कुछ ऐसे भी कारण हैं, जिन्हें भारत अपने हितों के खिलाफ मानता है। उदाहरण के लिए, संघीय नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह, जो सिख हैं, ने ओंटारियो में एक सांसद के रूप में अपने शुरुआती राजनीतिक कॅरिअर का अधिकांश समय भारत के 1984 के सिख विरोधी दंगों को नरसंहार के रूप में मान्यता दिलाने के लिए पैरवी करने में बिताया। 1984 के दंगों की नरसंहार के रूप में निंदा करने वाला एक प्रस्ताव 2017 में ओंटारियो में पारित किया गया था। वर्ष 2018 में सिंह, जो तब तक संघीय एनडीपी नेता बन गए थे, ने कहा कि संघीय स्तर पर भी ऐसा ही किया जाना चाहिए। लेकिन यह जानना दिलचस्प है कि कनाडा सरकार ने अब तक ऐसा नहीं किया है। जगमीत सिंह की नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी कनाडाई संसद में चौथे नंबर की पार्टी है। इसके अलावा, इस पार्टी के राजनीतिक प्रभाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ब्रिटिश कोलंबिया और मनिटोबा जैसे प्रांतों में उसकी सरकार है और अलबर्टा, सस्काच्वान और ओंटारियो में वह प्रमुख विपक्षी पार्टी है और क्यूबैक, न्यू ब्रूनस्विक और प्रिंस एडवर्ड आईलैंड को छोड़कर कई प्रांतों की विधायिका में उसके सदस्य हैं। पिछले दिनों ही इटली में संपन्न जी-7 देशों के सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की एक अनौपचारिक मुलाकात हुई थी, जिसमें आपसी सद्भाव और सहयोग से दोनों देशों के बीच सामान्य मुद्दों को हल करने के प्रयासों की दुहाई दी गई थी। दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें भारतीय और कनाडाई मीडिया में छाई हुई थीं। इस मुलाकात की अल्पावधि में ही ये सब घटनाएं हो गईं। बहरहाल, कनाडाई संसद द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की बरसी पर उसके सम्मान में एक मिनट का मौन रखने से आहत भारतीय वाणिज्यिक दूतावास ने कनाडा के वैंकूवर में 1985 में एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) बम विस्फोट के पीड़ितों के लिए एक स्मारक सेवा का आयोजन किया है। 23 जून, 1985 को कनाडा से लंदन होते हुए भारत आने वाले एयर इंडिया के विमान में आयरिश तट पर विस्फोट हो गया, जिसमें 86 बच्चों सहित सभी 329 लोग मारे गए थे। कनाडा की धरती पर यह सबसे बड़ी आतंकवादी घटना थी। यह स्मारक सेवा 23 जून, 2024 को शाम स्टेनली पार्क के सेपरले खेल के मैदान क्षेत्र में एयर इंडिया मेमोरियल में निर्धारित की गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कनाडा इस घटना को किस तरह से लेता है।

महिलाओं के लिए ताहिरा कश्यप ने कह दी बड़ी बात, जानें शर्माजी की बेटी की निर्देशक ने क्या कहा

मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप अपनी आगामी फिल्म शर्माजी की बेटी की वजह से चर्चा में हैं। वह इस फिल्म से निर्देशन में कदम रख रही हैं। इस फिल्म की रिलीज डेट 28 जून तय की गई है। ताहिरा अपनी फिल्म के प्रमोशन में लगातार व्यस्त चल रही हैं। इस दौरान वह कुछ इंटरव्यू भी दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने हाल में ही दिए एक इंटरव्यू में, महिलाओं द्वारा अपने काम की बजाय परिवार को चुनने को लेकर बात की है।

परिवार की बजाय काम चुनने पर खुद को दोषी मानती हैं महिलाएं

इस इंटरव्यू के दौरान ताहिरा ने बताया कि महिलाएं अक्सर अपने परिवार की जगह अपने काम को चुनने पर खुद को दोषी मानती हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर महलाओं को ही काम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच चयन करना पड़ता है और इसके लिए उन्हें सामाजिक दबाव का भी सामना करना पड़ता है। इस वजह से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अपने करियर को प्राथमिकता देने की वजह से खुद को दोषी समझने लगती हैं।

पुरुषों को भी इसके लिए दोषी महसूस करना चाहिए ताहिरा ने आगे कहा कि एक महिला से पूछा जाता है कि वो परिवार और काम कैसे मैनेज करती हैं, लेकिन आम तौर पुरुषों से ऐसे सवाल नहीं पूछे जाते। इस दौरान उन्होंने अपने पति आयुष्मान का उदाहरण देते हुए कहा कि उनसे भी यह पूछा जाना चाहिए कि दो बच्चों के होते हुए भी वह तीन फिल्मों की शूटिंग कैसे मैनेज करते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ महिलाओं को ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी इस सब के लिए दोषी महसूस करना चाहिए।

बच्चे के पहले शो में शामिल ना हो पाने का है मलाल ताहिरा ने अपनी बात को पूरा करते हुए कहा कि महिलाएं अपने बच्चों के बजाय अपने काम को चुनने के लिए अनिवार्य रूप से दोषी महसूस करती हैं। उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने काम की वजह से अपने बेटे के पहले संगीत और नाट्य प्रदर्शन को देखने नहीं जा पायी थीं। हालांकि, इसके तीन शो थे, इसलिए वह एक में शामिल हो पाने में कामयाब रही थीं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आज भी बेटे के पहले शो में शामिल ना हो पाने के लिए बुरा महसूस करती हैं।

अमेजन पर प्रीमियर होगी शर्माजी की बेटी बताते चलें कि ताहिरा की आगामी फिल्म शर्माजी की बेटी में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। फिल्म की कहानी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने वाली तीन मध्यमवर्गीय महिलाओं की यात्रा को दिखाती है। फिल्म जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी। ताहिरा ने साल 2017 में टॉफी नाम की शॉर्ट फिल्म से शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने अभिनेत्री नीना गुप्ता के साथ एक और शॉर्ट फिल्म पिन्नी बनाई थी। आयुष्मान और ताहिरा के दो बच्चे हैं, विराजवीर और वरुष्का।

बिग बॉस ओटीटी 3 प्रीमियर के दौरान रो पड़े साई केतन राव, अनिल कपूर से कही यह बात

दर्शकों को मनोरंजन करने के लिए बिग बॉस ओटीटी अपने तीसरे सीजन के साथ लौट आया है। इस शो को सलमान खान की जगह अनिल कपूर होस्ट कर रहे हैं। बीती रात यानी शुक्रवार (21 जून) को इसका ग्रैंड प्रीमियर हुआ। पहले एपिसोड के दौरान अनिल कपूर ने शो के प्रतियोगियों को बिग बॉस के घर में प्रवेश कराते हुए दर्शकों से उनका परिचय कराया। इस शो में टीवी अभिनेता साई केतन राव ने भी हिस्सा लिया है। प्रीमियर के दौरान अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने सभी का दिल जीता, लेकिन बाद में अनिल कपूर से बात करते हुए वह रो पड़े। साई भावुक हो गए और उन्होंने बताया कि वह खुलकर हर किसी से अपनी बात नहीं कह पाते हैं और अक्सर अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं। इस दौरान उनकी आंखें भी नम नजर आई। उन्होंने खुलासा किया कि बचपन से ही वह अपने दोस्तों के सामने ऐसे पेश आते थे कि उनके घर में सब कुछ ठीक है। हालांकि ऐसा नहीं था। उन्होंने कहा, मेरे जीवन में कभी पिता जैसा कोई नहीं रहा, इसलिए मुझे नहीं पता कि पिता क्या होता है। मेरी मां ने मुझे पाला है और मेरी एक बहन है। मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की वजह से हूं और मैं उनका बहुत आभारी हूं।

साई के अभिनय करियर की बात करें तो साल 2017 में तेलुगु टीवी सीरियल अग्नि साक्षी से उन्हें लोकप्रियता हासिल हुई। इस शो में उन्होंने प्रताप की भूमिका निभाई और दर्शकों ने उनके किरदार को खूब पसंद किया। बाद में, साई नेने राजू नेने मंत्री, स्ट्रेंजर्स, मोस्ट एलिजिबल बैचलर और अन्य जैसी कई तेलुगु फिल्मों में भी काम किया। 2021 में, साई हिंदी टीवी सीरियल मेहंदी है रचने वाली में मुख्य भूमिका में दिखाई दिए। राघव राव का उनका किरदार और शिवांगी खेडकर के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

सुशांत सिंह राजपूत को याद कर भावुक हुईं सारा, कहा- केदारनाथ के लिए मुझे जो भी प्यार मिला...

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान हाल ही में अपने केदारनाथ के को-एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को याद करते हुए भावुक हो गईं। सारा ने हाल ही में एक बातचीत में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ उनकी पसंदीदा याद के बारे में भी बात की है। अभिनेता को याद करते हुए अभिनेत्री की आंखें भर आईं। सारा ने फिल्म केदारनाथ से सुशांत के साथ बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। सारा अली खान ने एक बातचीत में कहा, उनके साथ मेरी बहुत सारी पसंदीदा यादें हैं। एक पल ऐसा था, जब गट्टू सर जल्दी में थे और उन्होंने और सुशांत ने पहले भी साथ में काम किया था। इसलिए मैं सुशांत के पास गई और मैंने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। उन्होंने मुझे इसे करके दिखाया और फिर मैं बस गई और मैंने उनकी नकल की। उन्होंने कहा, जिस तरह से मैं अब हिंदी बोल पाती हूं, लोग अक्सर मेरी तारीफ करते हैं। इसमें बहुत कुछ सुशांत का है। केदारनाथ के लिए मुझे जो भी प्यार मिला है, वह बहुत है। वह सब सिर्फ सुशांत का है। मैं आपको कोई याद नहीं दे सकती। हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत की चौथी पुण्यतिथि पर सारा ने उनके साथ केदारनाथ के सेट से एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी। इस स्टोरी पर उन्होंने बस नमो नमो गाना लगाया था। इसके साथ उन्होंने कई इमोजी भी साझा की थीं। सारा हमेशा ये कहती हैं कि सुशांत और केदारनाथ हमेशा उनके लिए बहुत खास रहेंगे। पिछले साल भी सारा ने सुशांत की पुण्यतिथि पर एक इमोशनल नोट लिखा था। अभिनेत्री ने लिखा था, पहली बार केदारनाथ जा रहे हैं। पहली बार शूटिंग के लिए जा रहे हैं और मुझे पता है कि दोनों में से कोई भी फिर कभी ऐसा महसूस नहीं करेगा। मगर, एक्शन, कट, सूर्योदय, नदियां, बादल, चांदनी, केदारनाथ और अल्लाह हूं के बीच कहीं मैं जानती हूं कि तुम वहां हो। सुशांत सिंह राजपूत का निधन 14 जून 2020 को हुआ था। वह मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में मृत पाए गए थे। अभिनेता को आखिरी बार फिल्म दिल बेचारा में देखा गया था, जो उनकी आखिरी फिल्म थी।

कल्कि 2898 एडी के दूसरे ट्रेलर में मालविका ने खींचा ध्यान, इस पौराणिक किरदार में आएंगी नजर!

कल्कि 2898 एडी का दूसरा ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसे देखने के बाद दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस ट्रेलर को अछी प्रतिक्रिया मिल रही है और दर्शकों को उम्मीद है कि बस चंद दिनों में कुछ अलग देखने को मिलेगा। देखने की बात चली है तो बता दें कि फिल्म के नए ट्रेलर में एक नया किरदार भी देखने को मिला है, जिसके बारे में अब तक कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही थी।

उत्तरा का किरदार निभा रही हैं मालविका नायर दरअसल, कल्कि 2898 एडी के नए ट्रेलर में अभिनेत्री मालविका नायर की भी झलक देखने को मिली है, जिसके बाद अब उनके किरदार को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मालविका इस फिल्म में महाभारत की उत्तरा का किरदार निभा रही हैं, जो अर्जुन के बेटे अभिमन्यु की पत्नी होती हैं। ट्रेलर में उन पर ब्रह्मास्त्र के जरिए हमला होता हुआ दिखाई देता है। बता दें कि अश्वत्थामा उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चलाता है क्योंकि वो पांडवों को नहीं मार पाता है। बाद में, भगवान कृष्ण उसके बच्चे की जान बचाते हैं।

27 जून, 2024 को होगी रिलीज

कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। फिल्म 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में प्रभास, अमिताभ बचन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और कमल हासन मुख्य भूमिका अदा कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज द्वारा किया गया है। संतोष नारायणन ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। यह एक काफी लंबी फिल्म है, जिसकी अवधि 3 घंटे और 56 सेकेंड है। फिल्म सेंसर बोर्ड से हरी झंडी पा चुकी है। इसे यू/ए प्रमाण पत्र दिया गया है।

इश्क-विश्क रिबाउंड का नहीं चला का जादू, चंदू चैंपियन भी कमाल दिखाने में असफल

बॉक्स ऑफिस का सूखा जून के महीने में भी खत्म नहीं हो सका है। कई फिल्में इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही हैं, लेकिन कोई भी फिल्म अब तक बंपर कमाई करने में असफल रही है। इस शुक्रवार (21 जून) को रिलीज हुई इश्क विश्क रिबाउंड अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी है। वहीं, बड़े बजट में बनकर तैयार हुई चंदू चैंपियन के कलेक्शन को उसकी लागत के लिहाज से संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा मुंजा की रफ्तार भी अब धीमी होती चली जा रही है। आइए जानते हैं कि शुक्रवार को किस फिल्म ने टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन किया।

इश्क विश्क रिबाउंड इश्क विश्क रिबाउंड में पश्मीना रोशन, रोहित सराफ और जिब्रान खान ने बतौर मुख्य किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। समीक्षकों के साथ लोगों का दिल जीतने में भी यह फिल्म नाकामयाब हुई है। फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन काफी कम है। शुक्रवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन भी टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। यह फिल्म पहले दिन से ही उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर सकी है। 120 करोड़ रुपये बजट के आसपास में बनी यह फिल्म अपनी लागत वसूल करती भी नहीं दिख रही है। स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की जीवनी पर आधारित इस फिल्म में कार्तिक आर्यन की अदाकारी लोगों को खूब पसंद आ रही है, लेकिन कबीर खान एक बार एक निर्देशक के तौर पर चूक गए हैं।

पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 35.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक आठवें दिन फिल्म ने दो करोड़ 69 लाख रुपये बटोरे हैं। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 37.94 करोड़ रुपये हो गई है।

शरवरी वाघ और अभय वर्मा अभिनीत फिल्म मुंजा टिकट खिड़की पर अच्छी कमाई करने में कामयाब रही है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 35.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में इस फिल्म ने 32.65 करोड़ रुपये बटोरे थे। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 15वें दिन इस फिल्म ने दो करोड़ 75 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 70.7 करोड़ रुपये हो गई है।

कल्कि 2898 एडी के फैन हुए संदीप रेड्डी वंगा, बोले- पहले दिन पहला शो देखूंगा

कल्कि 2898 एडी का इंतजार लोगों को फिल्म की घोषणा होने के बाद से ही है। अब यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म की रिलीज से कुछ दिन पहले इस फिल्म दूसरा ट्रेलर भी सामने आ गया है। इसे देखकर आम लोगों के साथ फिल्मी सितारों की भी उत्सुकता काफी अधिक बढ़ गई है।

शुक्रवार (22 जून) को ऑनलाइन रिलीज हुए फिल्म के दूसरे ट्रेलर को लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इसे देखने के बाद फिल्म जगत से जुड़ीं कई हस्तियों ने ट्रेलर की जमकर तारीफ की है। इस लिस्ट में सुपरहिट निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा का नाम भी शामिल हो गया है। संदीप ने एक्स पर फिल्म का तेलुगु ट्रेलर साझा करते हुए फिल्म और इसके कलाकारों की खूब प्रशंसा की है। पोस्ट में निर्देशक ने लिखा, शानदार ट्रेलर। इसे तीन बार देखा। यह निश्चित रूप से एक बहुत ही नई दुनिया और एक बहुत ही नया अनुभव है। पहले दिन का पहला शो पक्का। नाग अश्विन यह पार्टी करने का समय है ..। इस पोस्ट में संदीप ने प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और संगीतकार संतोष नारायणन को भी टैग किया है।

कल्कि 2898 एडी का महाभारत की कहानी से भी गहरा कनेक्शन है। फिल्म में अमिताभ बच्चन अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, प्रभास भैरव के किरदार में दिखेंगे। फिल्म में कमल हासन नकारात्मक भूमिका में हैं। इसका निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। फिल्म में बुज्जी नाम की कार भी है जो कहानी को आगे बढ़ाने अहम भूमिका निभाती दिखेगी।

यह फिल्म 27 जून को दुनियाभर में रिलीज की जाएगी। माना जा रहा है कि फिल्म दक्षिण भारत के साथ हिंदी पट्टी में भी दमदार शुरुआत करेगी। प्रभास की पूरे देश में लोकप्रिय हैं। उनकी फिल्म बाहुबली और बाहुबली 2 उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। साल 2017 में आई बाहुबली 2 द कनक्लूजन ने केवल हिंदी भाषा में ही 510 करोड़ से अधिक का कारोबार किया था।

दुल्हन की तरह सजा शत्रुघ्न सिन्हा का बंगला, बेटी से मनमुटाव पर बोले- जो तनाव था वो...

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 23 जून को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों की शादी से जुड़े हर अपडेट जानने के लिए फैंस काफी उत्सुक हैं। दोनों की शादी के फंक्शन शुरू हो चुके हैं। सोनाक्षी के हाथ में होने वाले पतिदेव जहीर के नाम की मेंहदी भी लग चुकी है। पिछले दिनों अफवाहें थीं कि अभिनेत्री का परिवार उनकी शादी से खुश नहीं है। ऐसे में वह शादी में शामिल नहीं होंगे। इन खबरों पर विराम लगाते हुए हाल ही में शत्रुघ्न सिन्हा को जहीर के घर पर देखा गया था। इसके बाद अब उनका बंगला रामायण भी दुल्हन की तरह सज चुका है। जहीर और सोनाक्षी की शादी से पहले शत्रुघ्न सिन्हा का जुहू स्थित बंगला सजाया गया है। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। सोनाक्षी और जहीर 23 जून को मुंबई में शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन में अपनी शादी का रिसेप्शन देने के लिए तैयार हैं। एक ओर बांद्रा में शादी का जश्न चल रहा है, वहीं दूसरी ओर सोनाक्षी के बहुमंजिला घर की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। शत्रुघ्न सिन्हा का बंगला सजावटी स्ट्रिंग लाइट्स से जगमगा रहा है। फैंस को ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। इसी बीच सोनाक्षी की मेहंदी सेरेमनी की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें शुक्रवार को मुंबई में हुई मेहंदी सेरेमनी में जहीर इकबाल के साथ पोज देती हुई दुल्हन बेहद खूबसूरत लग रही थी। तस्वीर में दोनों परिवार और करीबी दोस्तों के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, सोनाक्षी के पिता, अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने हाल ही में पुष्टि की है कि सोनाक्षी सिन्हा की जहीर इकबाल से शादी को लेकर उनके परिवार में कुछ तनाव था। हालांकि, दिग्गज अभिनेता ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब सभी तनाव दूर हो गए हैं और वे ठीक हैं। उन्होंने कहा, शादी के रिसेप्शन में हम सभी 23 जून की शाम को शामिल होंगे।

बिंजलवाड़ा लिट परियोजना में हुई लापरवाही पर विधायक बोलीं- उतरेंगे सड़क पर...

विधायक के आरोप - सरकार की नियत साफ नहीं, यदि साफ होती तो यह काम पूर्ण होता...

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ।
खरगोन। भीकनगांव, बिंजलवाड़ा लिट परियोजना में हुए भ्रष्टाचार व लापरवाही को लेकर अब तक किसानों का आक्रोश पनप रहा था अब क्षेत्र की विधायक झूमा सोलंकी ने भी विरोध के स्वर मुखर किए हैं। विधायक कहा- लीपापोती बर्दाश्त नहीं करेंगे। परियोजना किसानों को लाभ देने के लिए है। इसमें लापरवाही हुई है। जरूरत पड़ी तो सडक़ पर उतरकर विरोध किया जाएगा।
आपको बता दे कि परियोजना में हुई लापरवाही को लेकर लगातार 3 दिनों तक ग्राम पोखर बुजुर्ग के किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद विधायक भी खुल कर सामने आई हैं। विधायक झूमा सोलंकी ने कहा कि बिंजलवाड़ा लिट परियोजना बहुत बड़ी व महत्वपूर्ण योजना है। इससे किसानों के खेतों में सिचाई के साधन उपलब्ध होंगे। 4 वर्षों से केवल आश्वासन सुने जा रहे हैं। काम अब तक पूरा नहीं हुआ। जमीनी स्तर पर यह योजना कहीं नजर नहीं आ रही। बिंजलवाड़ा लिट परियोजना में जो अनियमिता नजर आ रही है वह मैंने भी देखी है। लगभग सभी दूर तीन फीट से कम पाइप डला है। कई जगह पर पाइप ही नहीं है। बड़े पाइप भी सही नहीं डले हैं। जितनी बार विधानसभा सत्र चलता है मेरे द्वारा हर बार प्रश्न लगाया जाता है। इस बार सडक़ पर उतरने का समय आ गया है, ताकि जिमेदारों की नींद खुले और यह काम करें। सरकार की नियत साफ नहीं है, यदि साफ होती तो यह कार्य आज पूण होता।

स्कूल चले अभियान के चलते क्षेत्रीय विधायक झूमा सोलंकी बनी शिक्षिका

छात्राओ को अपने आने वाले भविष्य के लिए किया मोटिवेट, इस स्कूल में 9 साल पड़ाई की ओर आज इसी स्कूल में पढ़ाने आई-विधायक

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ।
खरगोन। भीकनगांव, मध्यप्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार स्कूल चले अभियान के चलते स्कूली छात्र छात्राओं के आने वाले भविष्य को लेकर सरकारी स्कूलो में मोटिवेट करने का कार्यक्रम किया जा रहा है जहा गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक झूमा सोलंकी शिक्षिका बनकर मंडी रोड स्थित कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओ को भविष्य से भेट कार्यक्रम के दौरान जीवन में छात्राओ को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मोटिवेट किया विधायक ने सभी छात्राओ को बताया की मेने भी अपने जीवन में लक्ष्य के साथ विधायक पद पर बनी हु ऐसे ही सभी छात्राए आगे बड़ने के लिए अपना एक ही लक्ष्य निर्धारित करे विधायक झूमा सोलंकी ने मोटिवेट के दौरान छात्राओ सवाल किए की आने वाले भविष्य कोन कोन क्या बनना चाहता है तो छात्राओ ने अपने जवाब में कलेक्टर शिक्षक बनने का जवाब दिया विधायक ने कहा की मेने भी 9 साल शिक्षा भीकनगांव में ही हासिल की है कार्यक्रम समापन के दौरान जब मीडिया कर्मियों ने विधायक झूमा सोलंकी से केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर के वायरल स्लोगन के बारे में सवाल किया तो विधायक झूमा सोलंकी ने कहां की शिक्षा जनप्रतिनिधियो के लिए भी आवश्यक है जो हर समाज को आगे बड़ाने में अहम भूमिका होती है उन्होंने भी शिक्षा हासिल कर डिग्री हासिल करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महेश वर्मा, अमित जायसवाल, जितेंद्र वर्मा, बीईओ राजेश तिवारी, बीआर सी हिरवे सर सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

शिवपुरी में दुकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

16 नवनिर्मित अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाकर जमी दोज किया

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।
शिवपुरी, शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील में आने वाली ग्राम पंचायत खोड़ में आज प्रशासन के द्वारा एक बड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए खोड़ की मुख्य सड़क गोरा टीला रोड़ किनारे बनी सोलह अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाकर कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार खोड़ आदिम जाति कल्याण बालिका छात्रावास के सामने बल्लू साहू एवं अरविंद साहू के द्वारा विगत दो माह पूर्व से दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था। इसी दौरान शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने पिछोर जाते हुए इस निर्माण को देखा और तुरंत हल्का पटवारी व तहसीलदार को जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए। इसी दौरान पंचायत सचिव के द्वारा उक्त निर्माण के संबंध में अनेकों बार नोटिस जारी किए गए परंतु लगातार नोटिस पहुंचने के बाद भी निर्माणकर्ताओं के द्वारा किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। जिस पर प्रशासन के द्वारा आज कार्रवाई करते हुए इन सोलह नवनिर्मित दुकानों को जेसीबी से गिराकर जमी दोज किया गया। इस कार्यवाही में पिछोर तहसीलदार शिव शंकर गुर्जर, खोड़ चौकी प्रभारी अंशुल गुप्ता, पंचायत सचिव सुरेंद्र शर्मा, हल्का पटवारी हेमन्त शर्मा व समस्त हल्का पटवारी चौकीदार और चौकी खोड़ व भौंती थाना पुलिस सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

भीकनगांव के मंडी प्रांगण में हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अध्यक्ष, एसडीएम व अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने योगा करा

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ।
खरगोन। भीकनगांव, भारत समेत दुनियाभर के तमाम देशों में योग के महत्व को समझाने के लिए हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है जिसका प्रतिनिधित्व भारत करता है आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में किया जा रहा है जो कि भीकनगांव में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मंडी प्रांगण में महिलाओं व बालिकाओं की योग में रुचि अधिक रही सभी विभागों के अधिकारी व प्रतिनिधि सहित स्कूल के बच्चे योगाभ्यास करा इसमें जनपद पंचायत के अध्यक्ष सरदार रावत एसडीएम बीएस क्लेश तहसीलदार रविन्द्र चौहान नगर परिषद के अधिकारी व कर्मचारियों ने योगा करा.

खुले में शराब पीने वालों पर देहात थाना पुलिस की कार्यवाही

शहर के कई स्थानों से नशेड़ियों को उठाया

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।
शिवपुरी, शिवपुरी शहर की देहात थाना पुलिस ने शहर के अलग अलग स्थानों से खुले में शराब पार्टी कर रहे लोगों को पकड़कर पुलिस थाना लाया गया जहां सभी पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले देहात थाना पुलिस ने अभियान चलाकर शराब की दुकान सहित खुले में शराब पीने वालों को मौके से पकड़कर आगे से सार्वजनिक रूप से खुले में शराब न पीने की समझाईश दी थी । देहात थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के सुभाष पार्क, झांसी तिराहा और गुना वायपास पर शराब की दुकान के बाहर सहित होटल के बाहर खुले में जाम छलका रहे करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को पकड़ा ।देहात थाना प्रभारी जितेंद्र मावई ने बताया कि यह कार्यवाही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की गई है साथ ही कई स्थानों से खुले में शराब पीकर गाली-गलौज करने की भी शिकायतें मिली थी। इसके चलते आज यह कार्यवाही की गई है। सभी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शिवपुरी में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए कोतवाली पुलिस ने की कार्यवाही

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।
शिवपुरी, शहर के हृदय स्थल कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत माधव चौक चौराहे पर चार दिन पूर्व एक युवती और युवक द्वारा एक युवक के मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था इसी वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए कोतवाली पुलिस ने घटना के चार दिन बाद आज इन दोनों पर 151 के तहत मामला दर्ज कर एसडीएम कोर्ट में पेश कर इनको जेल भेज दिया है पुलिस ने स्वयं सोशल मीडिया पर वायरल होते वीडियो को देखकर संज्ञान में लिया और मामला दर्ज कर लिया है।

कटनी के माधवनगर पुलिस को मिली सफलता

सराफा कारोबारी से हुई लूट का करा खुलासा, 7 आरोपिओ गिरफ्तार

सुनील यादव। सिटी चीफ।
कटनी, कटनी जिले के माधवनगर की पुलिस ने कटनी हीरापुर कौड़िया से बड़खेड़ा के बीच सराफा कारोबारी से हुई लूट का खुलासा करते हुए सात आरोपिओ को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से लूटे गए सोने चांदी के जेवर समेत नगदी 1 लाख 78 हज़ार 8 सौ रूपये जब्त किए है। लगभग कीमत 10 लाख 65 हजार करीब है।
पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि कृष्ण कुमार सोनी शाम सात बजे दुकान बंद कर सोने के जेवरात कीमत 2 लाख 10 हजार रुपए,चांदी के जेवरात 1लाख 30 हजार रुपए एवं दो लाख नगद रुपए बेग में रखकर घर जा रहे थे। रास्ते में आधा दर्जन हथियार बंद बदमाशों ने उन्हें रोका और उनका बैग छीन लिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आरोपियों कि तलाश शुरू कि। आस पास के लोगो से पूछताछ व सीसीटीवी कैमरा को खगालने के बाद सात लोग मौके पर देखे गए। **जिनके नाम क्रमश** 1. मदन चौबे पिता हरीदीन भौसवाही थाना विजयराघवगठ, 2. चिंटू भौसवाही थाना विजयराघवगठ कटनी, 3.लक्ष्मी प्रसाद पिता हजारी साहू घुनघूस थाना विजयराघवगठ कटनी, 4संजय कुशवाहा पिता विजय कुशवाहा थाना कुठला कटनी, 5.मनु तिवारी पिता सुशील पन्ना मोड़ थाना कुठला कटनी, 6.नितिन गर्ग निबासी हीरापुर कौड़िया थाना एनकेजे, 7.शिवम निवासी पुरैनी थाना कुठला कटनी सातों लोगो ने पूछताछ की गई तों इन्होने वारदात को करना कबूल किया। जिनके कब्जे से एक नग पिस्टल दो जिन्दा कारतूस, 8 मोबाइल व लूट की गई सोने चांदी के जेवरता सहित 1 लाख 78 नगदी जप्त किया गया है। जिसकी कुल कीमती करीबन 10 लाख 64 हजार 8 सौ रुपये है।

बंदरों ने ग्रामीणों के घरों में घुसकर छह मासूम बच्चों को काटकर किया घायल

गंभीर रूप से घायल एक बच्ची को किया गया रेफर, ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग की है

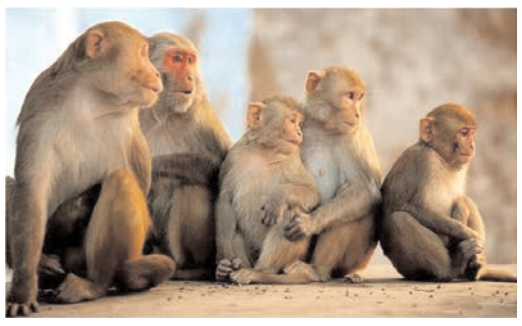

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
गंगोह । सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के गंगोह क्षेत्र के गांव चाऊपुरा में बंदरों ने ग्रामीणों के घरों में घुसकर छह मासूम बच्चों को काटकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल एक बच्ची को रेफर किया गया है। ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि बंदर ने अनवी (6) पुत्री रामधन प्रजापति, आराध्या (3) पुत्री संकित, हार्दिक (4) पुत्र कार्तिक, मिट्ठू (3) पुत्र नीरज प्रजापति और आयुष (10) पुत्र रजनीश सहित अनेक बच्चों को काटकर घायल कर दिया। सभी बच्चों को सीएचसी लाया गया। वहां से अनवी को गंभीर हालत के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया। अन्य बच्चों को सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है वह अपने बच्चों को बाहर अथवा छत पर भी नहीं भेज रहे हैं।

जिलाधिकारी ने की मानवता की मिसाल पेश, वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को उपलब्ध करवाए दो कूलर

जिलाधिकारी को वृद्धजनों ने दिया आशीर्वाद एवं शुभाशीष, की उज्जवल भविष्य की कामना

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत तहसील बेहट के अन्तर्गत फतेहपुर, छुटमलपुर में मानवता की मिसाल पेश करते हुए स्वत: दो कूलर उपलब्ध करवाए जाने की व्यवस्था की तथा वृद्धाश्रम को कूलर उपलब्ध करवाए गये। डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा समय-समय पर वृद्धाश्रम जाकर वृद्धजनों के कल्याणार्थ कार्य किये जाते रहे है। उनके द्वारा फल, खाद्य सामग्री, सर्दियों में कम्बल आदि का वितरण, विशेष दिवसों एवं त्यौहारों पर पर वृद्धजनों के बीच जाकर विभिन्न उपहारों का वितरण भी किया जाता रहा है तथा उनका आशीर्वाद लेते रहे है। बता दे कि वृद्धाश्रम में गर्मी से बचाव हेतु वृद्धजनों द्वारा व्यवस्था करवाए जाने का अनुरोध किया था। जिस पर तत्काल रूप से दो कूलर वृद्धाश्रम मे भिजवाए गये है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों ने जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र को धन्यवाद देते हुए शुभाशीष दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को वृद्ध, दिव्यांग एवं कुष्ठ रोगियों के बीच जाकर निरंतर देखभाल कर समुचित व्यवस्था कर मानव कल्याणार्थ कार्य किये जाने के लिए निर्देशित किया।

दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दून वैली पब्लिक स्कूल, देवबंद में मनाया गया 10 वां योग दिवस सभी के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर । देवबंद, दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र, शिक्षक और अन्य स्टाफ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चैयरमैन राजकिशोर गुप्ता व मैनेजर श्रीमति सुमन सिंघल ने दीप प्रज्वलित कर किया। योग दिवस के इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रकार की योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। योग विशेषज्ञ और विद्यालय के योग शिक्षकों जावेद चौधरी, अनिल मुकुंद ने बच्चों को विभिन्न योगासन सिखाएं और उनके महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने योग के फायदों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य सुधरता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्राप्त होता है।
कार्यक्रम की शुरुआत में प्रार्थना और ध्यान सत्र आयोजित किया गया। जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने भाग लिया और मानसिक शांति का अनुभव किया। इसके बाद सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन आदि विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इन आसनों का अभ्यास किया।
इस अवसर पर विद्यालय के कुछ छात्र-छात्राओं ने योग पर आधारित सुंदर प्रस्तुतियाँ भी दीं। उन्होंने अपने प्रदर्शन के माध्यम से योग के विभिन्न आसनों और उनके लाभों को दर्शाया। बच्चों की इन प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विद्यालय के खेल शिक्षकों जावेद चौधरी, अनिल मुकुंद, आशुतोष अग्रवाल और श्रीमती कामिनी ने भी बच्चों को योगाभ्यास के दौरान सही तरीके और सावधानियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योगाभ्यास करते समय शारीरिक क्षमता और सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए और धीरे-धीरे अभ्यास में प्रवीणता प्राप्त करनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चैयरमैन राजकिशोर गुप्ता ने अपने संबोधन में योग के महत्व को रेखांकित किया और बच्चों को नियमित रूप से योग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह हमारे शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। हमें अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें ।

उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से बच्चों का ध्यान और एकाग्रता बढ़ेगी, जो उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों में भी सहायक होगी। सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया और बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उच्च शिक्षा मंत्री ने व्यक्त की कडी नाराजगी

टी.ए.सी. जांच के लिए शासन को लिखा जाएगा पत्र, अद्यतन डीपीआर उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। सहारनपुर, मंत्री उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश योगेन्द्र उपाध्याय ने जनपद भ्रमण के अन्तर्गत माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। निरीक्षण के दौरान विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक नकुड मुकेश चौधरी, महापौर डॉ0 अजय सिंह, कुलपति प्रोफेसर एच0एस0सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन ताडा उपस्थित रहे। उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवनों के निरीक्षण के बाद निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होंने गहनता से निरीक्षण करते हुए भवन की दीवारों में आई दरार,

फिनिशिंग कार्य में लापरवाही देखने पर जिलाधिकारी को टी.ए.सी. गठित कर जांच करवाने के लिए शासन स्तर पर पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को तत्काल रिवाईज डीपीआर कुलपति एवं जिलाधिकारी को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था एवं पीएमसी पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्य के मानक के अनुसार न होने पर भी संबंधित ठेकेदार को चेतावनी देते हुए शासन स्तर पर अवगत न कराने पर भी सख्ती दिखाई। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं फिनिशिंग कार्य में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बता दे कि मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद एवं जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा समय-समय पर किए गये निरीक्षणों के दौरान कार्यदायी संस्था एवं पीएमसी तथा ठेकेदार को समयबद्धता एवं कार्य की गुणवत्ता के लिए निर्देशित किया जाता रहा है।

सहारनपुर में केएलजीएम इंटर कालेज के मैदान पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। नकुड़। सहारनपुर, केएलजीएम इंटर कालेज के मैदान पर आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। जाने-माने योग गुरु एवं आर्ट ऑफ लिविंग के योगाचार्य आशीष शर्मा एवं विपिन गुप्ता ने उपस्थित जनसमुदाय को योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम में विधायक मुकेश चौधरी, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, पूर्व विधायक महिपाल सिंह माजरा, उप जिलाधिकारी संगीता राघव, तहसीलदार जसमेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, नगर पालिका अधिशासी अभियंता सुनील कुमार सरोज,विद्यालय की प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा, विजेंद्र शर्मा, सहित नगर के गणमान्य व्यक्तियों, पत्रकार बंधुओं , विद्यालय के स्टाफ और छात्र

छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में रामपुर मनिहारान के मोक्षायतन योग संस्थान से आए छात्र-छात्राओं एवं के एल जी एम इंटर कालेज के छात्र-छात्राओं ने अलग से योगाभ्यास की प्रस्तुति द्वारा सभी को अचंभित कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, उप जिलाधिकारी संगीता राघव ने सभी से योग को अपने जीवन में उतारने का आवाहन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन गौरव मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के बाद गत सात दिनों में योग सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

श्रीअन्न संवर्धन अभियान का हुआ शुभांरभ

महिला किसानों किया किया गया बीज वितरण

डिंडोरी

जिला प्रशासन के नेतृत्व में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग डिंडौरी के द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण डिंडौरी में आज 21 जून को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में श्रीअन्न संवर्धन अभियान कार्यक्रम का शुभांरभ किया गया। श्री अन्न को प्रोत्साहित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ज़िला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम के दौरान महिला किसान पुष्पलता, सोमती, मीना, सरिता, उर्मिला, संगीता, रेखा बाई, रेखा बाई, चमनबती और गोमती को बीज वितरण किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अवधराज बिलैया, श्री नरेन्द्र राजपूत, श्री पंकज तेकाम, श्री राजेन्द्र पाठक,

श्री हरिहर पाराशर, श्री पुनीत जैन, श्री महेश धूमकेती, श्री लक्ष्मण ठाकुर, सहित उप संचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चौरसिया, परियोजना संचालक आत्मा सुश्री नेहा धूरिया, सहायक संचालक श्रीमती अंजली वाजपेयी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। उप संचालक कृषि ने बताया कि श्रीअन्न के विपणन को प्रोत्साहन देने हेतु शासन स्तर पर महासंघ का गठन किया जा चुका है। महासंघ इस वर्ष एफपीओ के माध्यम से एक ज़िला एक उत्पाद कोदो का 20 रुपए प्रति किलो तथा कुटकी 30 रुपए प्रति किलो की दर से क्रय करेगी। राज्य शासन ऐसे किसानों को 10 रुपए प्रति किलो की दर से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से करेगा। शासकीय एवं सहकारी सस्थाओं द्वारा प्रदाय कोदो कुटकी रागी के बीज पर बीज वितरण अनुदान वस्तु के रूप में 80 प्रतिशत अनुदान कृषकों को देय होगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नियमित योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ उत्तम स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण है - सांसद डॉ राजेश मिश्रा

सीधी

योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की ओर से एक उपहार है - विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक

छत्रसाल स्टेडियम सहित जिले के विभिन्न स्थानों में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन छत्रसाल स्टेडियम सीधी में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री राहुल धोटे सहित अन्य अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा योग कराया गया तथा योग के महत्व एवं स्वस्थ जीवन में योग अनिवार्यता के संबंध में बताया गया। कार्यक्रम में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास भोपाल में आयोजित ''राज्य स्तरीय योगाभ्यास'' कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन दिखाया एवं सुनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा ''श्रीअन्न संवर्धन अभियान'' का शुभारंभ किया गया। सामूहिक

योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि योग के माध्यम से निरोग रहने के लिए हमारी शारीरिक दक्षता के साथ आहार का भी महत्व है। शरीर के स्वस्थ रहने के लिए अगर कोई रामबाण है तो वह है योग। अगर हम निरंतर योग करें तो शरीर निरोगी रहता है और बुद्धि प्रखर होती है। योग हमारी हजारों साल पुरानी विधा है। हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल के कारण सारी दुनिया योग का लाभ उठा रही है। योग दिवस के साथ-साथ हमें प्रतिदिन योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता की अनमोल देन है और आज वासुधैव कुटुंबकम के मूलमंत्र को साधते हुए हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूरे विश्व को योग माला में पिरोने का काम किया है। नियमित योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ उत्तम स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण है। विधायक सीधी श्रीमती पाठक ने कहा कि आज हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। योग शरीर को निरोग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग को अपनाकर अपने शरीर को स्वस्थ रखें। योग सिर्फ एक योगाभ्यास ही नहीं है बल्कि एक जीवन पद्धति भी है। आप सभी जिलेवासियों को योग दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। योग हमारी हजारों वर्ष पुरानी विधा होने के साथ कला और संस्कृति का प्रमुख संगम भी है। योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की ओर से एक उपहार है, यह स्वस्थ जीवन तथा मन और शरीर के बीच के सही संतुलन की कुंजी है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ विचारों का निर्माण होता है इसलिए रोगमुक्त रहने के लिए योग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से संपूर्ण विश्व ने योग को अपनाया था।

ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना पूर्ण करने दी गई दिसंबर 2024 की डेडलाइन

सतना

पाईपलाइन में टूट-फूट का संयुक्त विभागीय सर्वे 7 दिन में करें पूर्ण

महत्वाकांक्षी योजना की प्रगति की सांसद श्री गणेश सिंह ने की समीक्षा?

सतना और मैहर जिले में घर-घर नल से जल पहुंचाने की जल जीवन मिशन की महत्वाकांक्षी सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना की धीमी प्रगति पर सांसद श्री त्तड्ढठ्ठद्बद्ध स्द्धठ्ठद्द ने असंतोष प्रकट करते हुए दिसंबर 2024 में संपूर्ण जलप्रदाय योजना के कार्यों को पूर्ण कर लेने की डेडलाइन दी है। सर्किट हाउस सतना में शुक्रवार को सतना और मैहर जिला प्रशासन, जल निगम और अन्य निर्माण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर सांसद श्री सिंह ने ग्रामीण समूह जलप्रपात योजना फेज 1 और फेज 2 के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर सतना श्री अनुराग वर्मा, अपर कलेक्टर मैहर श्री शैलेंद्र सिंह, महाप्रबंधक जल निगम नीरव अग्रवाल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, नर्मदा घाटी विकास से अजय सिंह सहित दूरसंचार, जिला पंचायत, एमपी आरडीसी, एनएचएआई, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अल्ट्राटेक सीमेंट और कार्य एजेंसी लॉर्सन एंड ट्रूबो के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की कार्यकारी एजेंसी लॉर्सन एंड ट्रूबो के अधिकारियों ने बताया कि 1135 करोड़ 96 लाख रुपए की प्रथम फेज की परियोजना का कार्य किया जा रहा है। जिसके निर्माण उपरांत योजना का संचालन-संधारण 10 वर्षों तक एजेंसी द्वारा ही किया जाएगा। परियोजना के तहत पांच विकास विकासखंडों में बिछाई गई पानी सप्लाई की लाइनों एवं संरचनायें विभिन्न शासकीय निर्माण विभागों के विकास

कार्यों से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जिसमें विभागीय तौर पर सर्वे कर क्षति का आकलन किया गया है और विभिन्न विभागों पर देनदारी निकाली गई है। अन्य विकास विभागों द्वारा क्षति के आकलन के सर्वे पर असहमति व्यक्त करने पर निर्णय लिया गया है कि जल निगम और उनकी एजेंसी तथा अन्य विकास विभाग बीएसएनएल, लोक निर्माण, ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, नर्मदा घाटी विकास, प्रधानमंत्री सड़क, जल संसाधन, एमपीआरडीसी, एनएचएआई और जल प्रदाय योजना के अधिकारी क्षतिग्रस्त स्थलों की संयुक्त विजिट सर्वे करेंगे। इसके उपरांत यदि विभाग की कमी से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई है तो संबंधित विभाग रेस्टोरेशन की प्रतिपूर्ति करें। रेस्टोरेशन और मरम्मत का कार्य जल प्रदाय योजना की कार्य एजेंसी ही करेगी। सांसद श्री सिंह ने जल निगम के अधिकारियों द्वारा अन्य विभागों के बीच योजना की ड्राइंग, डिजाइन और कार्य योजना शेयर नहीं करने पर नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने कहा कि यह योजना अत्यंत विलंब से चल रही है। महत्वाकांक्षी योजना में अन्य विभागों से समन्वय कर रूकावटों का हल निकालना चाहिए। यदि विभागों के समन्वय में कोई कठिनाई है तो टीएल की बैठक में कलेक्टर के ध्यान में लानी चाहिए थी।सांसद श्री सिंह ने कहा कि जल निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी अपनी संरचनाओं की क्षति का संयुक्त सर्वे कर आकलन कर लें और आपसी सामंजस्य के साथ तालमेल बिठाकर महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने में गति प्रदान करें। संयुक्त सर्वे और क्षति के आकलन का कार्य एक सप्ताह की समय सीमा में पूरा करायें। सांसद श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी टाइमलाइन प्रोजेक्ट समय सीमा से बाहर जा रहे हैं। जल निगम ने अभी टंकियों का निर्माण भी पूर्ण नहीं किया है। जबकि कई जिलों में जल जीवन मिशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। सांसद ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लायें और दिसंबर 2024 की डेडलाइन में संपूर्ण कार्य पूरा करें। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन से घर के भीतर तक नल स्थापित कर कनेक्शन देना है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि एक सप्ताह में सर्वे पूरा कर तीन माह के भीतर पाइपलाइनों के रेस्टोरेशन का कार्य पूरा करें। जल निगम की एजेंसी अपने कार्यों के अलावा दूसरे अन्य विभागों के लक्ष्य, शर्तें और विकास कार्यों को भी ध्यान में रखें।सांसद श्री सिंह ने इस मौके पर एनएचएआई के अधिकारियों से मैहर-सतना टू लेन सड़क पर बिहटा, गोबरांव खुर्द में सर्विस लेन बनाने, सड़कों के ब्लैक स्पॉट को खत्म करने, मिचकुरिन में स्पीड ब्रेकर बनाने तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को सभी जल संरचनाओं एवं जलाशयों के गेट बरसात के बाद समय पर बंद करने के निर्देश दिए।

खोखला विकास बेपर्दा, अब उखाड़ी जाएगी घटिया टाइल्स

जनता का पैसा तबाह कर रहे नगर निगम के कमीशनबाज जिम्मेदार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, नगर निगम के आयुक्त शेर सिंह मीना ने मुख्तयार गंज स्थित करीब 8 करोड़ की लागत वाले व्यंकटेश लोक परिसर में घटिया चेकर टाइल्स लगाए जाने पर कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही उन्होंने संबंधित को अमानक टाइल्स उखाड़ कर जल्द से जल्द मानक गुणवत्ता की टाइल्स लगाए जाने की हिदायत दी।

बता दें कि यह वही व्यंक्टेश लोक जिसके लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के के तहत करीब आठ करोड़ की वित्तीय स्वीकृत दी गई थी। बताया गया है कि शुक्रवार को समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने

व्यंकटेश लोक परिसर में निर्माणाधीन प्रवचन हाल का कार्य 30 जून तक एवं परिसर की फिनिशिंग 10 जुलाई तक पूर्ण किए जाने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धवारी तालाब एवं नारायण तालाब के शेष कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। अवैध कालोनियों के मामलों में अपेक्षित कार्यवाही नहीं किए जाने पर निगम के जिम्मेदार अमले को लताड़ लगाते हुए उन्होंने संबंधित भू-स्वामियों के विरूद्ध विधि सम्मत कार्यवाही प्रस्तावित किए जाने, शहर के मुख्य मार्गों पर बन रहे भवनों में बिल्डिंग लाइन का अनिवार्यत: पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कोटर थाने में सघन वृक्षारोपण किया गया

मोके पर पर्यावरण प्रमुख धर्मेंद्र अग्निहोत्री समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, सतना जिले के सबसे ज्यादा एक्टिव कोटर थाना प्रभारी रविंद्र द्विवेदी के आतिथ्य और सम्मान में अखिल भारतीय मानव अधिकार संगठन, भारत, के रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी पं के सी शुक्ला के संयोजन में, डॉ रमेश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन पर चन्दन सिंह के द्वारा प्रदान किए गए पेड़ों के सहयोग पर कोटर क्षेत्र के सम्मानित लोगों की उपस्थिति पर कोटर थाने में फलदार आम के पेड़ लगाएं गए। इस शुभ

अवसर पर सतना जिले के पर्यावरण प्रमुख धर्मेंद्र अग्निहोत्री, जनपद सदस्य विनोद तिवारी, सोशल ऐक्टिविस्ट शिवबालक शुक्ला बिहरा, डॉ तारा प्रसाद शुक्ला, प्रीति त्रिपाठी, रिक्कू द्विवेदी, राजन पाण्डे,राजाराम पाण्डेय, सौखीलाल पाण्डे, जितेन्द्र मिश्रा, शक्ति पांडेय, पूर्व जिला पर्यावरण वाहिनी प्रमुख नरेन्द्र पांडेय, अन्ना अनुज तिवारी,विनोद तिवारी,संजय तिवारी, शुभम् तिवारी, विपिन शर्मा, कोटर थाने का समस्त स्टॉप आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

इस देश में भी बैन हुआ हिजाब और बुर्का

नियम नहीं मानने पर 60 हजार से ज्यादा लगेगा जुर्माना

इंटरनेशनल डेस्क: मध्य एशिया के मुस्लिम देश ताजिकिस्तान ने बड़ा हिजाबा और बुर्के पर रोग लगाने का फैसला किया है। हिजाब और बुर्के पर रोक लगाने का बिल ताजिकिस्तान की संसद में पास हो गया है। बिल पास होने के बाद ताजिकिस्तान की सरकार अब हिजाब और बुर्का बैन को लागू करने जा रही है। हालांकि, इससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। दरअसल, भारत से लेकर दुनियाभर के कई देशों में हिजाब और बुर्के को लेकर बहस छिड़ी रहती है। कानून पारित होने से पहले देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं। सोवियत संघ से अलग हुआताजिकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है। इस देश की सीमा तालिबान शासित अफगानिस्तान से भी मिलती है। इन देशों के पड़ोसी होने के कारण, आशंका ये भी बनी हुई है कि कानून लागू होने के बाद विवाद बढ़ सकता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि अफगानिस्तान में बुर्का पहनना अनिवार्य है। ताजिकिस्तान की संसद ने 19 जून को ये विधेयक पारित किया था। इसमें ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा के दौरान बच्चों को विदेशी पहनावे पर रोक लगाने का प्रावधान है। दोनों ही सदनों से इस विधेयक को पारित कर दिया गया है। विधेयक में विदेशी परिधानों को पहनने पर रोक लगाने की सिफारिश कर दी थी। विधेयक पर चर्चा के दौरान ताजिकिस्तान संसद ने कहा कि बुर्का जो महिलाओं के चेहरे को ढकता है वो ताजिक परंपरा और संस्कृति का हिस्सा नहीं है। इसी कारण ऐसे विदेश पहनावे को उनके देश में प्रतिबंध किया जाता है। राष्ट्रपति रुस्तम इमोमाली की अध्यक्षता में संसद के 18वें सत्र में कानून में ये बदलाव किया गया है।

नियम का पालन न करने पर जुर्माना

नए नियमों का पालन न करने पर लोगों पर भारी जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के मुताबिक व्यक्तियों पर 7,920 (61,623 भारतीय रुपये) सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं, कंपनियों पर 39,500 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। धार्मिक नेताओं ने हालांकि, इससे भी ज्यादा जुर्माना लगाने की बात कही है।

अमेरिका के अर्कांसस में किराने की दुकान पर गोलीबारी में तीन की मौत, 10 घायल

इंटरनेशनल डेस्क- अमेरिका के अर्कांसस में एक किराने की दुकान पर शुक्रवार को एक शूटर ने गोलीबारी की, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों सहित 10 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में अर्कांसस राज्य के पुलिस निदेशक माइक हैगर के हवाले से कहा कि पुलिस के साथ गोलीबारी में संदिग्ध भी घायल हो गया। गोलीबारी लिटिल रॉक से 65 मील (104 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित लगभग 3,200 लोगों के शहर फोर्डिस में मैड बुचर किराना स्टोर पर सुबह 11:30 बजे के बाद हुई। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की पहचान न्यू एडिनबर्ग के 44 वर्षीय ट्रैविस यूजीन पोसी के रूप में की है। जिसके बाद उसे जेल ले जाया गया और उस पर हत्या के तीन आरोप लगाए गए, जबकि अन्य आरोप अभी भी लंबित हैं। कैदी रोस्टर के अनुसार, कोई अदालत की तारीख निर्धारित नहीं की गई थी। राज्य पुलिस के प्रवक्ता को यह नहीं पता था कि पोसी के पास कोई वकील है या नहीं, और औआचिटा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि उसे कोई जानकारी नहीं है। न तो अधिकारियों की और न ही पोसी की चोटें जीवन के लिए खतरा थीं। अर्कांसस के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के निदेशक माइक हैगर ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जवाबी कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने संदिग्ध हमलावर को गोली मार दी, जिसकी चोटें जीवन के लिए खतरा नहीं थीं। जिन दो अधिकारियों को गोली मारी गई उन्हें ऐसी चोटें आईं जो जीवन के लिए खतरा नहीं थीं। हैगर ने कहा, शेष चोटें जीवन के लिए खतरा नहीं से लेकर बेहद गंभीर तक थीं।

मुश्किल में हिंदुजा परिवार

स्विस कोर्ट ने चार सदस्यों को सुनाई सजा नौकरों से बुरा बर्ताव करने पर मिली सजा

जिनेवा: स्विट्जरलैंड की एक आपराधिक अदालत ने शुक्रवार को हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को घरेलू सहायकों का शोषण करने के मामले में चार से साढ़े चार साल तक की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने साथ ही मानव तस्करी के गंभीर आरोपों को खारिज कर दिया। भारतीय मूल के उद्योगपति प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी, बेटे व पुत्रवधू पर अपने नौकरों की तस्करी का आरोप लगाया गया था, जिनमें से अधिकतर अशिक्षित भारतीय थे जो जिनेवा में उनके आलीशान विला में काम करते थे। चारों आरोपी जिनेवा की अदालत में मौजूद नहीं थे, हालांकि परिवार का व्यवसाय प्रबंधक और पांचवां आरोपी नजीब जियाजी अदालत में मौजूद था। उसे 18 महीने की सजा सुनाई गई जो निलंबित रखी गई है। अदालत ने कहा कि चारों लोग कर्मचारियों का शोषण करने और अनधिकृत रोजगार उपलब्ध कराने के दोषी हैं। अदालत ने तस्करी के आरोपों को इस आधार पर खारिज कर दिया कि कर्मचारी अपनी इच्छा से काम कर रहे थे। हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों पर आरोप लगाया गया था कि वे कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लेते थे, उन्हें स्विस फ्रैंक के बजाय रुपयों में भुगतान करते थे, विला से बाहर जाने से रोकते थे और स्विट्जरलैंड में उन्हें बहुत कम पैसे के लिए लंबे समय तक कष्टदायी ढंग से काम करने के लिए मजबूर करते थे।

ब्रिटेन में टाटा स्टील के कर्मचारी 40 साल में पहली बार करेंगे हड़ताल

लंदन: ब्रिटेन में टाटा स्टील के लगभग 1,500 कर्मचारी आठ जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। ये हड़ताल वेल्स के पोर्ट टैलबोट और लैनवर्न में स्थित संयंत्रों में कंपनी की 2,800 कर्मचारियों की छंटनी और ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने के विरोध में हो रही है। यूनाइट द यूनियन ने कहा कि यह 40 वर्षों में पहली बार है कि ब्रिटेन में इस्पात कर्मचारियों ने टाटा स्टील यूके के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित करने के उद्देश्य से हड़ताल की है। यूनियन के सदस्यों ने पहले ही इस सप्ताह की शुरुआत में नियमानुसार काम करना और ओवरटाइम प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया था। यूनाइट द यूनियन ने एक बयान में कहा, टाटा के पोर्ट टैलबोट और लानवर्न में स्थित लगभग 1,500 कर्मचारी कंपनी की 2,800 नौकरियों में कटौती और इसके ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने की योजना के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। यूनाइट की महासचिव शेरोन ग्राहम ने कहा, टाटा के कर्मचारी केवल अपनी नौकरियों के लिए नहीं लड़ रहे हैं। वे अपने समुदायों के भविष्य और वेल्स में इस्पात उद्योग के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक टाटा अपनी विनाशकारी योजनाओं को रोक नहीं देती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यूनाइट वेल्स स्टील उद्योग को बचाने के लिए लड़ रहा है। टाटा के कर्मचारियों की ऐतिहासिक लड़ाई में उनका पूरा समर्थन कर रहा है, जिसके वे हकदार हैं। यूनियन का दावा है कि विपक्षी लेबर पार्टी ने मुंबई मुख्यालय वाली इस्पात कंपनी से अपनी योजनाओं को रोकने और चार जुलाई के आम चुनाव के बाद नई चुनी गई सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी ने चुनाव जीतने पर टाटा के साथ आपातकालीन वार्ता को भी प्राथमिकता दी है। टाटा स्टील ने कहा है कि वह इस कदम से निराश है और यूनियन से औद्योगिक कार्रवाई स्थगित करने का आह्वान कर रही है।

तुर्की में बड़ा हादसा, फसल में लगी आग बस्तियों में फैली, 11 लोगों की दर्दनाक मौत

अंकारा: दक्षिण-पूर्वी तुर्की में फसल में लगी आग रात भर में बस्तियों में फैल गई जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। पड़ोसी देश यूनान में अधिकारियों ने जंगल की आग के कारण एथेंस के दक्षिण और दक्षिणी पेलोपोन्नीज़ क्षेत्र के कई गांवों को खाली करा दिया। तुर्की में आग दियारबाकिर और मार्डिन प्रांतों के बीच के इलाके में लगी।

दियारबाकिर के गवर्नर अली इहसन सू ने बताया कि हवा के झोंकों से यह आग तेजी से कोकसालन, याजसीसेगी और बागासिक गांवों तक पहुंच गई लेकिन शुक्रवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया।

स्वास्थ्य मंत्री फहरेटिन कोका ने सोशल मीडिया मंच %एक्स पर पोस्ट किया कि 11 लोग मारे गए हैंऔर लगभग 80 अन्य को उपचार की आवश्यकता है, जिनमें से छह की हालत गंभीर है।

यमन में हत्या के आरोप में सजा-ए-मौत: निमिषा प्रिया के लिए ब्लड मनी से बचाव की उम्मीद

नेशनल डेस्क- केरल की नर्स निमिषा प्रिया को यमन के सुप्रीम कोर्ट ने अपने नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के जुर्म में सजा-ए-मौत सुनाई है। निमिषा की सजा माफी के लिए केंद्र सरकार ने ब्लड मनी ट्रांसफर को मंजूरी दे दी है। फिलहाल 40 हजार डॉलर की रकम भारतीय दूतावास के जरिए संबंधित परिवार को भेजी जाएगी।

क्या है निमिषा प्रिया का केस?

पलक्कड़ जिले की निमिषा, नर्सिंग की पढ़ाई के बाद, 2012 में अपने परिवार के साथ यमन पहुंचीं। वहां उन्होंने अस्पताल खोलने की योजना बनाई। यमन के नियमों के मुताबिक, केवल वहां के नागरिक ही ऐसा कर सकते थे, इसलिए निमिषा की मदद तलाल अब्दो महदी ने की। तलाल ने निमिषा के साथ फर्जी शादी के कागजात तैयार कराए ताकि उन्हें अस्पताल चलाने का लाइसेंस मिल सके।

कहानी कैसे बदली?

2015 में यमन में सिविल वॉर छिड़ने के बाद निमिषा परिवार के साथ भारत लौट आईं, लेकिन पैसों की जरूरत के कारण वे अकेले ही यमन वापस चली गईं। तब तक तलाल की नीयत बदल चुकी थी। वह निमिषा पर यौन संबंध बनाने का दबाव डालने लगा और अस्पताल बंद करवाने की धमकी देने लगा। तलाल ने निमिषा का पासपोर्ट भी अपने पास रख लिया था।

हत्या की घटना

पासपोर्ट वापस पाने के लिए निमिषा ने एक योजना बनाई। उसने एक स्थानीय नर्स की मदद से तलाल को नींद का इंजेक्शन दिया। लेकिन ओवरडोज के कारण तलाल की मौत हो गई। घबराई निमिषा और स्थानीय नर्स ने मिलकर शव के टुकड़े कर पानी की टंकी में डाल दिए।

दुनिया में प्रदूषण से हर घंटे हो रही है पांच साल से कम उम्र के 80 बच्चों की मौत

नेशनल डेस्क- हैल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट, इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन और यूनिसेफ द्वारा जारी नई रिपोर्ट स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2024 के मुताबिक दुनिया में बढ़ता वायु प्रदूषण हर घंटे पांच साल या उससे कम उम्र के 80 बच्चों की मौत की वजह बन रहा है। यदि 2021 के आंकड़ों पर गौर करें तो दुनिया भर में पांच वर्ष या उससे कम आयु के 709,000 से अधिक बच्चों की मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेवार था। यह दुनिया भर में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की कुल मौतों का 15 फीसदी है। इनमें से 72 फीसदी मौतें जहां घरों में होते प्रदूषण की वजह से हुई, जबकि 28 फीसदी के लिए पीएम 2.5 को जिम्मेवार माना गया है। इस रिपोर्ट में दुनिया भर में वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है।

कुपोषण के बाद वायु प्रदूषण बच्चों की मौत का बड़ा कारण

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कुपोषण के बाद वायु प्रदूषण पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। इनमें समय से पहले जन्म, जन्म के समय कम वजन, अस्थमा और फेफड़ों की बीमारियां शामिल थी। वायु प्रदूषण की वजह से जान गंवाने वाले पांच लाख बच्चों की मौत के लिए दूषित ईंधन और घर के अंदर भोजन तैयार करने के दौरान होने वाला वायु प्रदूषण जिम्मेवार था। इनमें से अधिकांश मौतें अफ्रीका और एशिया में दर्ज की गई। रिपोर्ट में कई हैरान कर देने वाले खुलासे भी किए गए हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो 2021 में दुनिया भर में हुई 81 लाख मौतों के लिए वायु प्रदूषण को जिम्मेवार माना है। जो उसे दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा हत्यारा बनाता है। बड़े तो बड़े बच्चे भी आज हवा में घुलते जहर से सुरक्षित नहीं है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में पांच वर्ष या कम उम्र के बच्चे इस जहर के भेंट चढ़े हैं।

90 फीसदी मौतें प्रदूषण से हुई बीमारियों से

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 90 फीसदी मौतें हृदय सम्बन्धी बीमारियों, स्ट्रोक, मधुमेह, फेफड़ों के कैंसर और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी गैर-संचारी बीमारियों के कारण हुई हैं। इस रिपोर्ट में दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के आंकड़ों को शामिल किया गया है। जो दर्शाते हैं कि हमारे ग्रह हर करीब-करीब हर व्यक्ति रोजाना दूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है, जो उन्हें हर दिन बीमार बना रही है। हवा में घुले महीन कण (पीएम 2.5), घरेलू वायु प्रदूषण, ओजोन (ओ 3) और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ 2) जैसे प्रदूषक दुनिया भर में स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहे हैं। यह प्रदूषक परिवहन, घरों, जंगल की आग, उद्योगों आदि में जीवाश्म ईंधन और बायोमास को जलाने से पैदा होते हैं।

गुरुग्राम में फैक्ट्री में बॉयलर फटा

2 लोग जिंदा जले, आसपास बिल्डिंग मकानों की हिलीं नींवें

नेशनल डेस्क- शनिवार को हरियाणा के गुरूग्राम में आग बुझाने वाली फैक्ट्री में बॉयलर विस्फोट में कम से कम दो लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घटना गुरुग्राम के दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र में हुई। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। धमाका इतना जोरदार था कि आस-पास खड़ी इमारतें और मकान हिल गए। धमाका होने से कई लोगों के घरों में दरारें तक आ गई हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बॉयलर रात करीब ढाई बजे फटा और सुबह तक आग बुझाने का काम चलता रहा। पुलिस विभाग की टीमें भी हादसास्थल पर पहुंचीं। बॉयलर फटने के कारणों की जांच जारी है। शॉर्ट सर्किट से हादसा होने की आशंका है। डीसीपी वेस्ट, करण गोयल ने कहा,, विस्फोट सुबह करीब 3 बजे हुआ। दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, उन्होंने कहा कि खोज और बचाव अभियान जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569